समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ११

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

४ नवंबर २०२४; सम्मेलन की दिपावली प्रीति मिलन बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, प्रधान अतिथि श्री सुभाष अग्रवाल, प्रधान वक्ता श्री पवन पोद्दार, उद्घाटनकर्ता श्री आशिष दवे, विशिष्ट अतिथि सुश्री सीए शिवानी साह अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी।

इस अंक में

विशेष पेज-१७

संपादकीय

- आयो मिलकर दीप जलायें

आपणी बात

- दीवाली की राम राम का महत्व

रपट

- दीपावली प्रीति मिलन समारोह
- उपसमितियों की बैठक
- सम्मेलन समाचार

संस्कार-संस्कृति चेतना

- कार्तिक पूर्णिमा (देव-दीपावली), तिलक का महत्व
- अविस्मरणीय भामा साह, ब्रह्मा जी के थैले
- गोपाष्टमी पर्व का महत्व, गुरु नानक देव की शिक्षाएँ

प्रांतीय समाचार

- कर्नाटक, पूर्वोत्तर, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, झारखंड पश्चिम बंग, उत्कल, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात

समाचार - सार

- उपलब्धियाँ

बधाई !

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष

श्री रामप्रकाश भंडारी

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ नवंबर २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक ११
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** आओ मिलकर दीप जलायें — ४
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** दिवाली की राम राम का महत्व — ५
- **रपट**
  - दीपावली प्रीति मिलन समारोह — ७-८
  - उपसमितियों की बैठक — ११
  - सम्मेलन समाचार — १२-१३
- **विशेष — संस्कार-संस्कृति चेतना**
  - कार्तिक पूर्णिमा (देव-दीपावली), तिलक का महत्व अविस्मरणीय भामा साह, ब्रह्माजी के थैले, गोपाष्टमी पूर्व का महत्व, गुरु नानक देव की शिक्षाएँ — १५-१७
- **प्रांतीय समाचार**
  - कर्नाटक, पूर्वोत्तर, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, झारखंड, पश्चिम बंग, उत्कल, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात — १४,१९-२६
- **समाचार सार**
  - उपलब्धियाँ — २७
- **विवध**
  - नंदकिशोर जालान–व्यक्ति नहीं संस्था थे – ओंकार पारिक — २८
  - लाखों का कारोबार छोड़ कर छोटी नौकरियों के पीछे भागते युवा – प्रो. डॉ. पवन कुमार पोद्दार — २९
- **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत** — ३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल

सम्मेलन ने सदस्यों एवं समाज बंधु-बांधवों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निम्नलिखित पहल की है –

सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से **एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल** (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें **(१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे** के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का 80 प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष 20 प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।

नोट : आवेदन प्रपत्र केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सकीय सेवा का लाभ प्रांतीय अध्यक्ष या महामंत्री के अनुशंसा पत्र के माध्यम से ही मिलेगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से दूरभाष : 033-40044089, 8697317557, ईमेल : aimf1935@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।

आओ मिलकर दीप जलायें

हमारी सभ्यता में दीपावली महापर्व का अत्यधिक महत्व है। आम रूप से दिपावली की जो उपादेयता या प्रचलित छवि जन साधारण के मध्य बनी हुई है, वास्तविक संदेश उससे कुछ आगे बढ़कर है। साधारणत: हम दीपक को सिर्फ प्रकाश का माध्यम एवं धन को लक्ष्मी का रूप मानते है। हमारे ऋषि मुनियों ने इस विषय पर गंभीर शोध करके हमें अपनें विचारों से अवगत कराया है। इस अवसर पर हम महालक्ष्मी का पूजन करते है। लक्ष्मी के आठ स्वरूप बताये गये हैं – भाग्यलक्ष्मी, आदि लक्ष्मी, धनलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, सन्तान लक्ष्मी, विजय लक्ष्मी एवं विद्या लक्ष्मी। पद्मपुराण में महालक्ष्मी अस्टकम में देवी से आराधना की गई है –

सिद्धि बुद्धि प्रदे देवि भुक्ति मुक्ति प्रदायनी
मन्त्रमूर्ते सदा देवि महालक्ष्मी नमोस्तुते

देवी की आराधना हमे सिद्धि प्रदान करती है एवं उन सिद्धियों को प्रयोग करने की सुबुद्धि प्रदान करने के साथ भुक्ति यानी लौकिक समृद्धि एवं मुक्ति यानी मोक्ष प्रदान करती है। हमारी सभ्यता में चार पुरुषार्थो का उल्लेख है – धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष। दीपावली इन चारो पुरुषार्थो का द्योतक है। अर्थ एवं काम एक गृहस्थ के जीवन में आवश्यक है। अगर धर्म के अनुसार हम अर्थ एवं काम को अपनाते है तो मोक्ष सुलभ है। दीपावली इसी संदेश को विभिन्न प्रकार से हमे देती है। दीपावली के अवसर पर हम हमारे जीर्णशीर्ण वस्तुओं को घर से बाहर निकालते है। घरो को नये रंग रोगन से चमकाते है। नये नये परिधान खरीदते हैं।

उसी प्रकार इस अवसर पर हम हमारे अंदर के नकारात्मकता को बाहर निकालकर नये-नये सकारात्मक विचार सद्भाव से हमारे जीवन को आलोकित करते है। बाहरी आलोक के साथ अर्तमन के ज्योति को भी रोशन करते हैं।

इसी प्रकार दीपावली पर दीपक का विशेष महत्व है। दीपक की आराधना इस प्रकार है –

शुभम करोति कल्याणं
आरोग्यं धन सम्पदा
शत्रु बुद्धि विनाशाय
दीप ज्योति नमोस्तुते

दीपक की ज्योति को आत्म ज्योति का परिचायक भी माना गया है। दीपक की आराधना करते हुए हम आरोग्य, धन, सम्पदा की कामना करते हैं। जब हमारी आत्मज्योति से हमारी चेतना जुड़ जाती है, तब हमारी बुद्धि में नकारात्मकता, जो कि शत्रु का काम करती है, का विनाश होता है। इस संदर्भ में हमें स्मरण रखना चाहिए कि वेदों में कहा गया है – **तमसो मां ज्योतिर्गमय**। दिपावली हमें स्मरण कराती है कि हमारा जीव अज्ञान, काम, क्रोध, लोभ, मोह से ग्रस्त अंधकार से ज्ञान रूपी ज्योति की ओर की यात्रा है।

ये नन्हे-नन्हे दीपक लघुता में गुरुता का आभास करवाते हैं। साथ ही दीपावली परस्पर प्रेम-सद्भाव का भी पर्व है, जिसमें उन लोगों में खुशियाँ बांटना आवश्यक समझा जाता, जिनके घर मे खुशियाँ नहीं पहुँची हैं। दीपक की रोशनी मे सबका बराबर का हिस्सा होना चाहिए, उसी भावना को व्यक्त करती है यह कविता–

इस रोशनी में
थोड़ा सा उसका भी हिस्सा है
जिसने चाक पर – गिली मिट्टी रखकर
आकार दिया है इस दीपक को
जिसने उगाया है कपास
तुम्हारी बाती के लिये
जिसके पसीने से बना है तेल
थोड़ा सा हिस्सा,
उस अंधेरे का भी है
जो दिये के नीचे –
पसरा है चुपचाप।

कविवर नीरज ने भी इस भावना को अपने शब्दों में सुंदरता से व्यक्त किया है –

जलाओ दिये पर रहे ध्यान इतना
अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाय

तात्पर्य यही है कि अंधकार को दूर करने आप स्वयं दीपक बने एवं अपने प्रकाश से स्वयं के एवं आसपास के लोगो का भी जीवन आलोकित करे। बुद्ध ने कहा था – आप दीपो भव – तुम स्वयं दीपक बनो। गीता (६.५) में भी कहा गया है – उद्धरेन आत्मन आत्मानाम्। अपने सद् प्रयास से स्वयं का उत्थान करें।

आज समाज में सामुहिकता की भावना का लोप होता जा रहा है। व्यक्ति स्वकेन्द्रित हो रहे है। दीपावली के मूल संदेश को आत्मसात कर स्वयं को दीपक बनाकर चारों ओर प्रकाश फैलाये तो वह एक आदर्श एवं मनोरम दिवाली होगी। अगर हम एक दीप बनकर समाज को अपनी रोशनी से आलोकित करते हैं तो उस स्थिति की कल्पना कवि ने अत्यंत ही सुंदर शब्दो में किया है –

नन्हे नन्हे दीप हमारे
क्या सूरज से कम होंगे?
सारी अड़चन मिट जायेगी
एक साथ जब हम सब होंगे
आओ साहस से भर जाये
आओ मिलकर दीप जलायें

आइये, दीपावली के पुनीत अवसर पर संकल्पित होकर परस्पर सद्भाव, सहयोग एवं स्नेह के प्रकाश से समाज को रोशन करें।

दिवाली की राम राम का महत्व

वर्षों पहले समाज में परस्पर अभिवादन के लिये 'राम-राम' का प्रयोग होता था। दिवाली पर होता था 'दीवाली की राम राम'। इस प्रकार 'राम-राम' हमारे दैनन्दिन जीवन का अभिन्न अंग था। परिवार में बच्चों के नाम में 'राम' को जोड़कर रखा जाता था, यथा राम स्वरूप, राम नारायण, राम निरंजन, राम अवतार, रामानंद, रामचन्द्र आदि आदि। बोलचाल में भी अगर कुछ अप्रत्याशित होता तो हम कहते 'राम राम राम'। कष्ट पाने पर – स्वत: ही मुख से निकल जाता था 'हे राम'। कोई व्यक्ति गलत करने पर उसे कहा जाता है – 'तेरो राम निसर गयो के?' 'रामजी की माया' का प्रयोग साधारण था। अन्य बहुत से उदाहरण दिये जा सकते हैं। संक्षेप में कहा जा सकता है कि बोलचाल की भाषा में 'राम' अनेक प्रकार से समाया रहता था। शनै: शनै: 'राम' को हम अपने दैनन्दिन जीवन से दूर करते जा रहे हैं। हमने कभी नहीं सोचा उपरोक्त प्रचलित चलन के पीछे क्या पावण कारण नीहित थे। इस विषय पर विचार करना आवश्यक है। राम नाम की महत्ता पर गोस्वामी तुलसी दास ने कहा हैं :

राम नाम की औषधि खरी नियत से खाय
अंग रोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाय।

तात्पर्य यह है कि राम नाम एक ऐसी औषधि के समान है जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाय तो सभी आदि व्याधि दूर हो जाती है, परम शांति मिलती है।

बुध कौशिक ऋषि द्वारा रचे गये राम रक्षा स्त्रोत एवं वेदव्यास द्वारा विष्णु सहस्त्रनाम में स्पष्ट लिखा है कि राम नाम के दो अक्षरों का जाप विष्णु भगवान के एक हजार नामों के बराबर है। यह कथा प्रचलित है कि माता पार्वती ने भगवान शिव से पूछा कि विष्णु सहस्त्रनाम का जाप कठिन है। भगवान शिव ने बताया कि राम का नाम मनोरम है एवं विष्णु सहस्त्र नाम के तुल्य है। इस लिये मैं राम नाम का जाप करता हूँ, यथा –

श्री राम राम रामेति रमे रामे मनोरमे
सहस्त्रनाम तत्तुल्यम राम नाम वरानने

राम नाम के पाठ से होने वाले लाभ के विषय में राम रक्षा स्त्रोत में कहा गया है –

रामेति रामभद्रेति रामचन्द्रेति वा स्मरण
नरो न लिप्यते पापे भुक्ति मुक्ति च विन्दति।

अर्थात – राम का स्मरण करते रहने से मनुष्य पाप नहीं करता एवं उसे सांसारिक समृद्धि एवं मोक्ष दोनो प्राप्त होते हैं।

पुराणों में लिखा है कि रामनाम का जाप ही लोगों को भवसागर के पार ले जायेगा। शिवजी हनुमान का अवतार लेकर राम नाम ही जपते हैं।

यह सर्वविदित है कि रामसेतु बनने के समय पत्थर पर 'राम' लिखकर ही उपयोग में लाया गया था। राम नाम के पत्थर जब पानी में तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य चकित हुए। उन्होंने एक पत्थर, जिस पर 'राम' नहीं लिखा था, समुद्र में फेंका पर वह डूब गया। भगवान आश्चर्य में पड़ गये। हनुमान जी यह सब देख रहे थे। पास आकर उन्होंने कहा – प्रभु! आपके नाम को धारण करके तो सभी तर जाते हैं पर जिसे आप स्वयं छोड़ देते, उसे डूबने से कौन बचा सकता है। तुलसी दास जी ने तो यहाँ तक कहा हैं –

तुलसी जाके मुखन से भूले निकसे राम
ताके पग की पहेनिया मेरे तन को चाम

धोखे से भी मुख से निकला हुआ राम नाम की अतुलनीय महत्ता है। मरा मरा का जाप कर रत्नाकर डाकू महर्षि बाल्मिकी बन गए।

हमारे पूर्वजों ने इन्ही बातों को ध्यान में रखकर – एक अभिनव व्यवस्था की थी कि जाने अनजाने हमारे जीवन में एवं परस्पर व्यवहार में राम नाम की उपस्थिति रहे ताकि हम उच्च कोटि का जीवन जी सके। भारतीय सभ्यता की धूरी आध्यात्मिक है। किन्तु हम भोगवाद की ओर अग्रसर है। आज के युग में व्याप्त **कुरीतियों**, **विसंगतियों** एवं **कुंठाओं** का मुख्य कारण है कि हम आध्यात्म से दूर होते जा रहे हैं। अतएव अगर हम अपने जीवन को आध्यात्मोन्मुख कर लेंगे तो इस प्रकार की समस्याएँ पनपेगी ही नहीं, क्योंकि वेदों में कहा गया है – पद्मावम तद्भवति। जैसा हम सोचते, वैसा ही हम बनते हैं। हमारी समस्याओं का हल हमारे सोच में परिवर्तन से ही संभव है। गोस्वामी तुलसीदास ने कहा हैं –

राम नाम मनिदीप धरु जीह देहरी द्वार
तुलसी मीतर वाहेर हूँ, जो चाहसि उजियार।

यदि आप अपने-भीतर-बाहर दोनों ओर प्रकाश (लौकिक एवं पारमार्थिक ज्ञान) चाहते हैं तो राम नाम के दीप को अपने देहरी पर हमेशा जलाये रखिये या अपनी देह की देहरी जीभ पर हमेशा राम नाम का सुमिरन रखिये।

आज जब हम संस्कार-संस्कृति की बात करते है – तो इसकी शुरुआत अपने जीवन में राम नाम को पुर्नस्थापित करने से होनी चाहिये। यह अत्यंत सुगम एवं प्रभावशाली पथ है। आज हम बोलचाल एवं अभिवादन में हाय, हैलो, बाय-बाय, गुड मार्निंग आदि निरर्थक शब्दों का प्रयोग करते हैं। यह मात्र पाश्चात्य शैली की अंधी नकल है। कोई जमाना था कि घर-घर में रामचरित मानस रहता था एवं उसका पाठ होता था। समाज के सभी वर्गों से मेरा सविनय निवेदन है कि इस विषय में गहन चिंतन करें एवं अपने सुझावो से अवगत करायें। व्यक्तिगत जीवन में मैंने इसकी शुरुआत कर दी है एवं पहले की अपेक्षा अधिक संतुष्ट हूँ। राम-राम!

शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

90वाँ स्थापना दिवस समारोह

प्रिय महोदय,

८९ वर्ष पूर्व १९३५ में हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने समाज को संगठित करने एवं उन्हें अपने अधिकारों से वंचित न होने देने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की थी। मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में सम्मेलन देश के २२ प्रांतों में फैला है। दिन-प्रतिदिन समाज के लोग सम्मेलन से जुड़ रहे हैं। हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा ताकि **आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज** का सम्मेलन का नारा सफलीभूत हो सके। कोलकाता महानगर की कई संस्थाएँ भी सम्मेलन से सम्बद्ध हुई हैं, यह शुभ संकेत है।

सम्मेलन का ९०वाँ स्थापना दिवस २५ दिसम्बर २०२४ को कोलकाता में मनाया जाएगा, जिसमे पूरे देश के प्रतिनिधि उपस्थित होंगे। इस अवसर पर सम्मेलन का सर्वोच्च **मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व पुरस्कार**, मारवाड़ी समाज के एक विशिष्ट व्यक्तित्व को देश अथवा समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाएगा। साथ ही, सम्मेलन के मुखपत्र **'समाज विकास'** का एक पठनीय एवं संग्रहणीय विशेषांक प्रकाशित होगा।

सम्मेलन को प्रत्येक मौके पर आपका मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त होता आया है। इसी के कारण सम्मेलन अपनी शक्ति एवं ऊर्जा के साथ समाज-उत्थान के कार्यों को अंजाम दे पाता है।

इस विशेषांक को सफल बनाने में आपसे प्रकाशन योग्य सामग्री तथा विज्ञापनरूपी सहयोग प्राप्त होगा, इसका पूर्ण विश्वास है।

आदर सहित

शिव कुमार लोहिया — *राष्ट्रीय अध्यक्ष*

कैलाशपति तोदी — *राष्ट्रीय महामंत्री*

केदारनाथ गुप्ता — *राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष*

दिनेश जैन, रंजीत जालान, मधुसूदन सिकरीया, राजकुमार केडिया, निर्मल झुनझुनवाला, सुभाष अग्रवाल

राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण

पवन कुमार जालान, संजय गोयनका

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

महेश जालान

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

आत्माराम सोंथलिया

चेयरमैन, वित्तीय उपसमिति

Advertisement Manager
SAMAJ VIKAS
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani
Kolkata - 700 017 (W. B.)
E-mail: aimf1935@gmail.com

Dear Sir,

Please publish a Special / Full Page Advertisement in your Special Issue to be brought out on the occassion of **90th Foundation Day of AIMF**.

Our cheque is enclosed / will be sent in due course on receipt of your bill.

Thanking you,

Name.....
Address.....
.....
Phone / Mobile No.....
e-mail.....

Sincerely yours

(Signature)

Tariff

Back Cover Page (Colour)	Rs.	50,000.00
Inside Covers (Colour)	Rs.	35,000.00
Full Page (Colour)	Rs.	20,000.00
Full Page (B/W)	Rs.	15,000.00

Mechanical Data

Overall Page Area	27x19cm
Print Area	22x16cm
No. of Columns	Two

All Cheques to "All India Marwari Federation"
G.S.T. No. 19AABTA0938Q1ZB, PAN No. AABTA0938Q, BANK : State Bank of India
BRANCH : Shakespeare Sarani, Kolkata. A/c No. 32028596548, IFSC CODE : SBIN0003031

दीपावली प्रीति मिलन समारोह

हमें अपने संस्कारों को अपनाना होगा : शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में आयोजित हुई। सभी अतिथियों एवं सम्मेलन के पदाधिकारीयों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि हम हमारे संस्कार से दूर हो रहे है। भारतीय सभ्यता अध्यात्म की सभ्यता रहीं है एवं हम भोगवाद को अपना रहे हैं। वनवास के बाद श्री राम अयोध्या लौटे तब दीपावली मनाई गई थी। जिस दिन हमारे हृदय में राम का उदय हो जाएगा उसी दिन से हमारी दिवाली मनने लगेगी। हमारे वेदों में कहा गया है – **तमसो मां ज्योतिर्गमय**। हमारा जीवन अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा का जीवन है। दीपावली हमें बुद्ध का वह संदेश याद दिलाती है जिसमें उन्होंने कहा था **आप्प दीपो भव**। गीता में भी कहा गया है – **उद्धरेण आत्मनं अत्मानाम**। आपको अपना उद्धार स्वयं करना होगा। हमें अपने आत्मा का दीपक प्रज्वलित करना होगा। हमें अपना आत्म बल एवं आत्मभिमान को जागृत करके अपना उत्थान करना होगा। अगर हम सब मिलकर अपना उत्थान करेंगे तो समाज की सारी समस्याएं ऐसे ही हल हो जाएगी।

उद्घाटनकर्ता एवं जी राजस्थान व जी २४ घंटा के चैनल हेड श्री आशीष दवे ने सबसे पहले राजस्थान की मिट्टी से जुड़े सभी भाई-बहनों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज सोशल मीडिया के इस दौर में आशंका हैं कि तेजी से फैलते इस प्रवाह में हमारी यूवा पीढ़ी हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की परंपरा को कैसे और कितना निभा पाएगी। इसलिए जी मीडिया ग्रुप की तरफ से और आप सब लोगों के सहयोग से जी राजस्थान चैनल पर **'माटी करे पुकार'** नामक एक कार्यक्रम शुरु करने की घोषणा करता हूँ, और आपसे सुझाव की उम्मीद करता हूँ।

प्रधान अतिथि एवं सप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री सुभाष अग्रवाल ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में मारवाड़ी समाज के अवदान के विषय में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी जहां भी जाते हैं एवं मारवाड़ी जहां भी रहते हैं वहां पर अपनी ईमानदारी निष्ठा लगन एवं मेहनत से उन्नति करते हैं एवं पूरे समाज को अपना योगदान देते हैं।

प्रधान वक्ता एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. पवन पोद्दार ने मारवाड़ी भाषा में अपना भाषण देते हुए कहा कि समाज के सामने अनेक समस्याएं हैं। उन्होंने वृद्धो का सम्मान, गांव देहात में लड़कियों की शादी की समस्या आदि विषयों पर अपना विचार व्यक्त किया और वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शिक्षा अब व्यापार बन गया है। शिक्षा का अर्थ होता है कि हम अपना ज्ञान अर्जित करें लेकिन आज हमें सिर्फ शिक्षा के नाम पर जानकारियां दी जा रही हैं। उन्होंने आवाहन किया कि समाज की समस्याओं को समाधान करने के लिए सभी अपना रोल निभाएं।

विशिष्ट अतिथि एवं ५ बार केटलबेल चैम्पियनशिप की विश्व विजेता, टेड एक्स स्पीकर सुश्री सीए शिवानी साह ने कहा कि मुझे अपने मारवाड़ी होने पर गर्व है। अपने बच्चों को हमारे संस्कार एवं संस्कृति से अवगत कराने के विषय में सजग रहती हूँ। पांच बार विश्व विजेता बनने की अपनी यात्रा पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के शुरुआत में श्रीमती सुनिता लोहिया एवं उनकी टीम ने गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया एवं साथ ही रामायण गाथा के उपर बहुत ही सुंदर तरीके से नृत्य के माध्यम से चरितार्थ किया। समारोह में विशिष्ट अतिथियों की श्रृंखला में भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के चेयरमैन श्री अरुण गाड़ोदिया, जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र जैन, कलकत्ता चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष श्री हरि शंकर हलवासिया एवं मर्चेंट चेंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष श्री अमित सरावगी जी का सम्मान किया गया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री भानीराम

सुरेका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका जी का भी सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्रीद्वय श्री संजय गोयनका एवं पवन कुमार जालान, पूर्व राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, श्री शिव रतन अग्रवाल (फोगला), श्री अरुण मल्लावत, श्री संदीप सेक्सरिया, श्री सज्जन बेरिवाल, श्री पवन कुमार बंसल, श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री राजेश ककरानियाँ, श्री पियुष क्याल एवं श्रीमती सुनिता लोहिया ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्रीयों का स्वागत बूके, दुपट्टा, पगड़ी, शॉल एवं मेमेंटो देकर किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता एवं राष्ट्रीय स्थायी समिति के सदस्य श्री राजेश ककरानियाँ ने अतिथियों का परिचय दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने कार्यक्रम के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस मौके पर, फाइनेंस उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, सर्वश्री दीनदयाल धनानिया, शंकरलाल कारीवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, राजेंद्र खंडेलवाल, राधा किशन सफ्फड़, संदीप सेक्सरिया, अनिल मलावत, नंदलाल सिंघानिया, बंशीधर शर्मा, सी एस शारदा, शिव कुमार बागला, डॉ. संवर धनानिया, श्यामलाल डोकानिया, प्रदीप जिवराजका, राजेश सोंथलिया, विक्की सिकरीया, सहित समाज के अनेक बंधु-बांधव, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज के काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

झलकियाँ

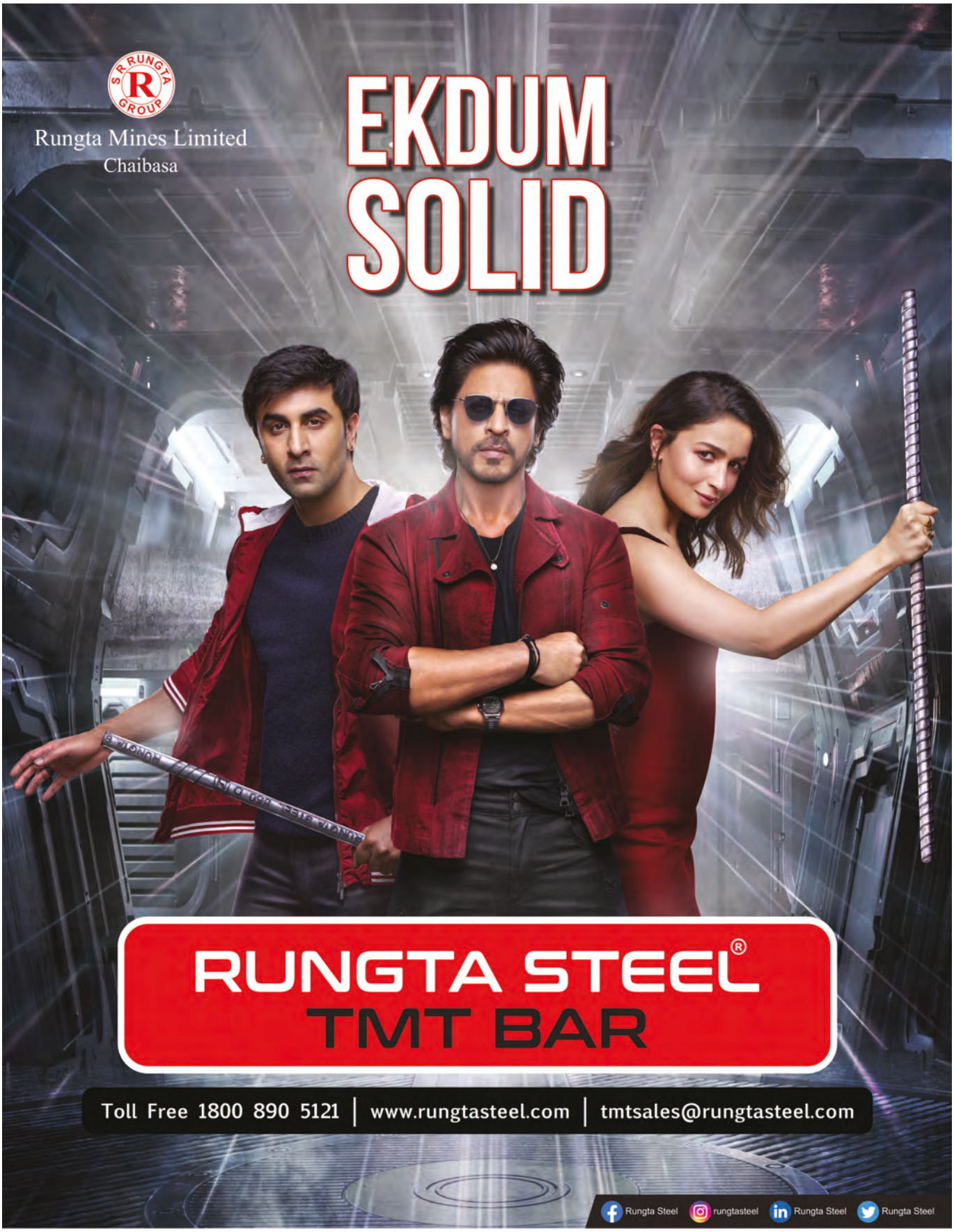

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
FruitBix
Original Taste of Bakery Bis
dream LITE
Marie Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:
BISCUITS

स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति की तृतीय बैठक शनिवार दिनांक: २६ अक्तूबर २०२४ डकबैक हाउस के सम्मेलन सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री अनिल मलावत ने की। बैठक में स्वास्थ्य के विषयों पर विचार-विमर्श किए गए। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री बृजमोहन गाड़ोदिया, स्वास्थ्य उपसमिति के अन्य सदस्य श्री सूरज नागोरी, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री अनिल कुमार डालमिया एवं डॉ. विजय केजरीवाल उपस्थित थे।

पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति की तृतीय बैठक सोमवार दिनांक: ११ नवंबर २०२४ को डकबैक हाउस के सम्मेलन सभागार एवं जूम पर आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने की। बैठक में विभिन्न प्रांतो, साहित्यकारों एवं लेखकों के द्वारा प्रस्तावित नामों पर चर्चा हुई। सभी से प्राप्त नामों पर चर्चा हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पुरस्कार चयन उपसमिति के संयोजक एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंद लाल रुँगटा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सराफ, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका (जूम) उपस्थित थे।

राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक शनिवार, दिनांक: १६ नवंबर २०२४ को कोलकाता स्थित डकबैक हाउस के सम्मेलन सभागार एवं जूम पर आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया ने की। उपसमिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया ने सबका स्वागत किया और बैठक की विषय वस्तु की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी वर्ग को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, इसके लिए सामाजिक चेतना की जरूरत है और इस चेतना के लिए सम्मेलन अहम भूमिका निभा सकता है। सदस्य घनश्याम सुग्ला ने कहा कि चारों तरफ डर का माहौल व्याप्त है। लोग वोट देने जाने में भी हिचकिचाते है। अच्छी राजनीति से इस डर के माहौल को मिटाया जा सकता है। सदस्य राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि दानवीर होने के नाते मारवाड़ी वर्ग राजनीति में पैसा तो खुब देते हैं लेकिन स्वयं की सक्रियता नहीं दिखाते। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने स्पष्ट कहा कि मारवाड़ी बच्चों को सरकारी प्रशासन की ओर ध्यान देना चाहिए। प्रशासनिक पढ़ाई की ओर ध्यान देना चाहिए और सरकारी कामों में विभिन्न पदों पर काम करके देश सेवा में लगना चाहिए। राजनीति की शुरुआत ऐसे करनी चाहिए। सिर्फ बैठकों से काम नहीं चलेगा, कोई ठोस काम करना होगा। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता एवं श्री राज कुमार केडिया (जूम) ने भी बैठक में अपने विचार रखें। उन्होंने मारवाड़ी समाज की राजनीति में क्या अहम भूमिका हो सकती है, इस पर प्रकाश डाला। सदस्य अजय गुप्ता ने भी अपने विचार रखें। विशेष आमंत्रित सीएम श्रुति सिंघानिया ने सनातन धर्म से राजनीति को जोड़ते हुए कहा कि सबको पहले अपने सनातन धर्म की जानकारी होनी चाहिए। सीएस अनुजा अग्रवाल ने कहा कि हमें लॉजिकल होना जरुरी है। पहले यह बताना चाहिए कि समाज को राजनीति से क्यों जुड़ना चाहिए। घर में ही बचपन से ही यह माहौल तैयार होना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि राजनीति में मारवाड़ी युवा वर्ग को जोड़ने का कार्य करना चाहिए। सबसे पहले यह निश्चित करना चाहिए कि वोट देने के योग्य सभी लोगों के पास वोटर कार्ड होना चाहिए और सभी अपने वोट देने के कर्तव्य का पालन करें, इस ओर जागरूक बनाने का कार्य भी करना चाहिए। इन सारे सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया कि जल्द ही एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन सम्मेलन की ओर से किया जायेगा जिसमे देश के विभिन्न हिस्सों से राजनीति से जुड़े मारवाड़ी समाज के लोगों को आमंत्रित किया जायेगा। संयोजक पवन कुमार बंसल ने बैठक में पधारे सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

सम्मेलन समाचार

समाज सुधार पर दिल्ली में बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की **"समाज सुधार"** पर एक सभा दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में दिनांक: १९ नवंबर २०२४ को राजस्थली अपार्टमेंट, पीतमपुरा में उप समिति के अध्यक्ष श्री पवन गोयनका की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

सभा को सम्बोधित करते हुए श्री गोयनका ने कहा कि २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों के अनुसार सम्मेलन द्वारा मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना, शादी विवाह के मोके पर प्री वेडिंग शूट, सड़कों पर भोंडे नृत्य, ड्रेस कोड एवं मद्यपान आदि कुरीतियों का विरोध करना आदि शामिल है। सम्मेलन की राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उप-समिति इन प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागु करवाने हेतु प्रयासरत है।

प्री-वेडिंग शूट को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। शादी विवाह के मौके पर सड़कों पर समाज की महिलाओं द्वारा भोंडे नृत्य पर भी अंकुश लगना जरुरी है। शादी विवाह धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें दो परिवारों का सात्विक मिलन होता है एवं ऐसे मौके पर हम पूजा-हवन करते है एवं विभिन्न देवी देवताओं का आह्वान करते है अत: ऐसे मौकों पर शराब आदि का खुला सेवन किसी भी प्रकार जायज नहीं ठहराया जा सकता। सभा मे प्रां. अध्यक्ष श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया, महामंत्री श्री सुन्दर लाल शर्मा, उपाध्यक्षगण श्री मन्ना लाल बैद, श्री सज्जन शर्मा, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल, सांस्कृतिक मंत्री श्री राजेश सिंघल, शाखाध्यक्षगण श्री रमेश बजाज, गंगौर, श्री पवन शर्मा, सेंट्रल दिल्ली, श्री संजय अग्रवाल, पूर्वी दिल्ली, श्रीमती सीमा बंसल, महिला शाखा एवं अनेक कार्यकारिणी सदस्य एवं अतिथिगण की उपस्थिति रही।

सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किये और अंत मे सर्वसम्मति से निम्न प्रस्ताव पारित किये गये:-

१. बच्चों में बचपन से ही भारतीय संस्कार और नैतिक मूल्यों का संचार करें। परिवार, विद्यालय, और समुदाय मिलकर बच्चों को ईमानदारी, अनुशासन, सहानुभूति, सहनशीलता और सम्मान जैसे गुण सिखाने का प्रयास करें।
२. महिलाओं की समाज सुधार एवं समरसता में भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए क्योंकि महिलायें हमारे संस्कार एवं संस्कृति की ध्वजारोहक होती है।
३. बच्चों और युवाओं में भारतीय त्यौहारों का प्रचार-प्रसार और उनके उद्देश्यों एवं महत्व की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करना।

यह अत्यंत आवश्यक है कि हमारी नई पीढ़ी, विशेषकर बच्चे और युवा, हमारे तीज-त्यौहारों, व्रतों और पूजा-पाठ की परंपराओं को समझें और उनका महत्व जानें। इन परंपराओं के पीछे छिपे आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों की जानकारी से उनकी जड़ों से जुड़ाव बढ़ेगा और उनमें हमारी संस्कृति के प्रति गर्व का भाव जागृत होगा।

समाज सुधार पर पूर्वोत्तर में बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की **"समाज सुधार"** पर एक बैठक दिनांक : २१ नवंबर २०२४ को पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में गुवाहाटी शाखा के कार्यालय, श्रद्धांजलि काम्प्लेक्स, ५वां तल्ले, गुवाहाटी में आयोजित की गई। इस बैठक का अध्यक्षता समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन कुमार गोयनका ने की। इस बैठक में श्री पवन कुमार गोयनका ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुवाहाटी में हुए २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए, जैसे मायड़ भाषा का ज्ञान, घर परिवार तथा अपनों में बोलचाल की भाषा के रूप में बढ़ावा देना, नाटकों, साहित्य तथा कवि सम्मेलनों में राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देना। प्री-वेडिंग शूट, सड़को पर नृत्य, ड्रेस कोड का विरोध करना, विवाह समारोह में मद्यपान निषेध करना ये तीन प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए। अब इन्हें लागु कर समाज की दशा कैसे संवरें इस पर चिंतित कर निष्कर्ष पर पहुंचना जरुरी है।

विशिष्ट उपस्थिति में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सिकरीया ने कहा कि आपसी समरसता बढ़ाने के लिए सम्मेलन को घटक दलों के कार्यक्रमों में अंश ग्रहण करना चाहिए तथा सम्मेलन के कार्यक्रमों में उन्हें सादर आमंत्रित किया जाना चाहिए।

विशिष्ट उपस्थिति में पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर हरलालका ने कहा कि विषय गंभीर है, इस पर सदैव चिंतन होता आया है तथा होता रहना चाहिए। चिंतन जागरुकता की पहली सीढ़ी हैं। उन्होंने अपने वक्तव्यों में तथा अपनी कलम की धार से समाज को सदैव जागरुक करने का प्रयास किया हैं। ऐसे प्रयास जारी रहने चाहिए।

इसके अलावा प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री विरेन अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय महामंत्री तथा राष्ट्रीय समिति सदस्य श्री राज कुमार तिवारी, प्रांतीय संयुक्तमंत्री श्री मनोज जैन काला, गुवाहाटी महिला शाखा की सचिव श्रीमती मंजू भंसाली, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अरुण अग्रवाल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष, श्री अशोक अग्रवाल सीए, बंगाईगांव शाखा अध्यक्ष श्री राजेंद्र हरलालका एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री रमेश कुमार चांडक के अलावा भी अनेक सदस्यों ने अपनी बात सभा के सामने रखी।

सम्मेलन समाचार

स्थानीय संस्थाओं के साथ बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के डकबैक हाउस के सम्मेलन सभागार में दिनांक: १९ अक्तूबर २०२४ को स्थानीय संस्था की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कोलकाता स्थित स्थानीय संस्थाओं के अध्यक्ष, महामंत्री एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श हुए। मारवाड़ी समाज में फैली नई कुरीतियों के प्रति कैसे समाज को जागरुक किया जाय, समाज को संगठित एवं सशक्त करने के उपायों पर चर्चा हुई। इस बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, निंबीजोधा नागरिक परिषद के सचिव एवं सह सचिव श्री राजाराम बिहानी एवं श्री हनुमान पंचिल, श्री माधोपुर नागरिक परिषद के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद चौधरी, रामगढ़ नागरिक परिषद के पूर्व सचिव श्री प्रदीप खेतान, झुंझुनु प्रगति संघ के सचिव श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान, सीकर नागरिक परिषद एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, निमकाथाना अंचल नागरिक संघ के सचिव श्री अमर अग्रवाल, समिति के सदस्य श्री महेंद्र अग्रवाला, चिणावां नागरिक परिषद के सहसचिव श्री रमेश ककरानियाँ, अन्य संस्थाओं से श्री सीताराम अग्रवाल, श्री नवल किशोर पारसरामका, श्री कृष्ण कुमार सिंघानियाँ, श्री अरुण चुड़िवाल, राजेश ककरानियाँ, अ.भा.मा.स. के स्थायी समिति के सदस्य उपस्थित थे।

विधि–विधान से हुआ लक्ष्मी–गणेश का पूजन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में धनतेरस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री भानीराम सुरेका ने राष्ट्रीय कार्यालय के सभी सहयोगियों के सानिध्य में लक्ष्मी–गणेश का पूजन विधि–विधान से किया। वैदिक पंडितो के निर्देशन में लक्ष्मी–गणेश का पूजन अर्चन हुआ। सभी ने दीपावली की बधाइयाँ दीं। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने समाज के बंधु–बांधवों को दीपावली पर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

प्रोफेशनल शाखा का शपथ ग्रहण

कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन की प्रोफेशनल शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष एवं प्रांत प्रभारी श्री सुभाष अग्राल ने नए सदस्यों को शपथ दिलाई एवं संस्था के उद्देश्यों को बताया की किस तरह मारवाड़ी समाज के रीति रिवाज और परंपराओं को अपने दैनिक जीवन में बनाए रखें। कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सीताराम जी अग्रवाल ने सभा की अध्यक्षता की। प्रोफेशनल शाखा के अध्यक्ष श्री दीपक जैन और महामंत्री श्री महेश अग्रवाल ने पदभार ग्रहण किया इसके अलावा निम्नलिखित सदस्यों ने विभिन्न विभागों का पदभार ग्रहण किया।

प्रोफेशनल शाखा के अध्यक्ष श्री दीपक जैन नियुक्त

जयपुर, कोरापुट जिला, ओडिशा में जन्मे और पले-बढ़े दीपक जैन, श्री पवन कुमार जैन के सुपुत्र है और एक अनुभवी डिजिटल मार्केटर के रूप में १५ वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं। हाल ही में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन बैंगलुरु प्रोफेशनल शाखा के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए गए, दीपक अगली पीढ़ी को प्रेरित करने और समाज की भलाई के लिए सामुदायिक और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के प्रति समर्पित हैं। उनका दृष्टिकोण एक ऐसे भविष्य की ओर है जहां युवा एकजुटता, सेवा और प्रगति के महासंघ के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग व काउंसलिंग कैंप

दिनांक: २७ अक्टूबर २०२४, रविवार को मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड महिला शाखा ने लायंस क्लब एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ मिलकर ब्रेस्ट कैंसर पर एक गोष्ठी एवं ब्रेस्ट कैंसर फ्री स्क्रीनिंग कैंप लगवाया। अक्टूबर महीने को मेडिकल काउंसिल द्वारा ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ घोषित किया गया है। इसी अवसर पर यह फ्री स्क्रीनिंग कैंप लगवाया गया। बरपेटा टाउन के ब्रेस्ट कैंसर हॉस्पिटल से डॉक्टरस की टीम जिसमें महिला डॉक्टर, नर्स, टेक्नीशियन इत्यादि एवं गुवाहाटी से डॉक्टर्स एवं चंडीगढ़ से महिला टेक्नीशियन ने आकर इस कार्यक्रम को किया।

यह कार्यक्रम महिला शाखा की अध्यक्ष स्मिता घिरासरिया एवं लायंस क्लब के अध्यक्ष राजीव माहेश्वरी की अध्यक्षता में किया गया।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं सचिव मृदुला माहेश्वरी के अलावा सलाहकार सीता देवी हरलालका, अनुराधा माहेश्वरी, संरक्षिका सरला देवी शर्मा, उपाध्यक्ष सुमित्रा जैन, खेल मंत्री स्वीटी जैन तथा सदस्याएं डॉ. सुमन अग्रवाल, कांता खेतावत, सरोज अग्रवाल लक्ष्मी शर्मा, तारा सोनी, किरण सोनी, विनीता अग्रवाल उपस्थित रहीं। इस कैंप में अच्छी खासी संख्या में महिलाओं ने फ्री ब्रेस्ट स्क्रीनिंग का लाभ उठाया।

सिलचर महिला शाखा का गठन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा की अध्यक्षता में स्थानीय मारवाड़ी समाज की महिलाओं की एक बैठक सिलचर शाखा के अध्यक्ष श्री मूल चंद जी बैद, उपाध्यक्ष श्री गोविंद जी मूंधड़ा एवम् मंत्री श्री पवन राठी के प्रयाशों, से आयोजित की गयी। सभा में प्रांतीय अध्यक्ष ने महिला शाखा की प्रासंगिकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। महामंत्री विनोद कुमार लोहिया ने संगठन के ढांचे, संगठन की वर्तमान स्थिति एवं संवैधानिक प्रावधानों से अवगत कराया। श्री मूलचंद जी बैद ने विस्तार से महिलाओं को संगठन की आवश्यकता, कार्य प्रणाली के बारे में बताया।

उपस्थित महिलाओं में से २४ महिलाओं ने सदस्यता फॉर्म भरे एवं सर्वसम्मति से श्रीमती सुंदरी देवी पटवा को अध्यक्ष एवं श्रीमती हीरा अग्रवाल को मंत्री चुना एवं शाखा को पुप्रमास की ७१वीं शाखा के रूप में मान्यता दी। सिलचर महिला शाखा मण्डल-ई की १०वीं शाखा है। संगठन विस्तार के संदर्भ में इस कार्यकाल में १३वीं शाखा का गठन किया गया।

बरपेटा रोड में प्रोफेसर राम अवतार माहेश्वरी मार्ग का ऐतिहासिक उद्घाटन

शिक्षा और समाजसेवा के प्रतीक स्वर्गीय प्रोफेसर राम अवतार माहेश्वरी की द्वितीय पुण्य तिथि पर उनके नाम पर वार्ड क्रमांक-५ के प्रमुख मार्ग का नामकरण समारोह गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर था, बल्कि उनके योगदानों को चिरस्थायी स्मृति देने की प्रेरणा भी। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि, बरपेटा रोड पौरसभा के सभापति राजेश सरकार ने इस पहल को शहर के इतिहास में एक सम्मानजनक अध्याय बताते हुए कहा कि स्वर्गीय प्रोफेसर माहेश्वरी का नाम हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। विशिष्ट अतिथि बीएच कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूषण चंद्र पाठक ने अपने संबोधन में उन्हें आदर्श व्यक्तित्व की संज्ञा दी और उनकी जीवनशैली व मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरपेटा रोड साहित्य सभा के सभापति हितेश दास ने की, जबकि समारोह का उद्देश्य समाजसेवी भैरू कुमार शर्मा ने स्पष्ट किया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ आरंभ हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा मार्ग पट्टिका का अनावरण किया गया, जो एक अविस्मरणीय क्षण बन गया। समारोह में शहर के विभिन्न वार्डो के कमिश्नर, प्रमुख संस्थाओं के प्रतिनिधि, और समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मंचासीन अतिथियों और विशिष्ट जनों ने स्वर्गीय माहेश्वरी के शिक्षण, समाजसेवा और मानवीय मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब के कार्यकारी सभापति आलकेश बायन ने किया। इस भावुक और प्रेरणादायक समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन स्वर्गीय माहेश्वरी के परिजन हरिकिशन माहेश्वरी ने दिया।

।। कार्तिक पूर्णिमा (देव-दीपावली)।।

कार्तिक पूर्णिमा, गंगा-स्नान और देव-दीपावली की आप सभी को हार्दिक एवं अनन्त शुभकामनाएँ

कार्तिक पूर्णिमा को कई जगह देव दीपावली के नाम से भी जाना जाता है। इसके अलावा कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धर्म ग्रंथों के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने तारकाक्ष, कमलाक्ष व विद्युन्माली के त्रिपुरों का नाश किया था। त्रिपुरों का नाश करने के कारण ही भगवान शिव का एक नाम 'त्रिपुरारी' भी प्रसिद्ध है। इस दिन गंगा-स्नान तथा सायंकाल दीपदान का विशेष महत्व है। इसी पूर्णिमा में भगवान विष्णु का मत्स्यावतार हुआ था।

कार्तिक माह में लोग गंगा और अन्य पवित्र नदियों में स्नान आदि करते हैं। कार्तिक महीने के दौरान गंगा में स्नान करने की शुरुआत शरद पूर्णिमा के दिन से होती है और कार्तिक पूर्णिमा पर समाप्त होती है। कार्तिक पूर्णिमा उत्सव पांच दिनों तक चलता है।

कार्तिक पूर्णिमा व्रत कथा

दैत्य तारकासुर के तीन पुत्र थे – तारकाक्ष, कमलाक्ष व विद्युन्माली। जब भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय ने तारकासुर का वध कर दिया तो उसके पुत्रों को बहुत दुःख हुआ। उन्होंने देवताओं से बदला लेने के लिए घोर तपस्या कर ब्रह्माजी को प्रसन्न कर लिया। जब ब्रह्माजी प्रकट हुए तो उन्होंने अमर होने का वरदान मांगा, लेकिन ब्रह्माजी ने उन्हें इसके अलावा कोई दूसरा वरदान माँगने के लिए कहा तब उन तीनों ने ब्रह्माजी से कहा कि, आप हमारे लिए तीन नगरों का निर्माण करवाईए। हम इन नगरों में बैठकर सारी पृथ्वी पर आकाश मार्ग से घूमते रहें। एक हजार साल बाद हम एक जगह मिलें। उस समय जब हमारे तीनों पुर (नगर) मिलकर एक हो जायें, तो जो देवता उन्हें एक ही बाण से नष्ट कर सके, वही हमारी मृत्यु का कारण हो। ब्रह्माजी ने उन्हें ये वरदान दे दिया।

ब्रह्माजी का वरदान पाकर तारकाक्ष, कमलाक्ष व विद्युन्माली बहुत प्रसन्न हुए। ब्रह्माजी के कहने पर मयदानव ने उनके लिए तीन नगरों का निर्माण किया। उनमें से एक सोने का, एक चाँदी का व एक लोहे का था। सोने का नगर तारकाक्ष का था, चाँदी का कमलाक्ष का व लोहे का विद्युन्माली का।

अपने पराक्रम से इन तीनों ने तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया। इन दैत्यों से घबराकर इंद्र आदि सभी देवता भगवान शंकर की शरण में गए। देवताओं की बात सुनकर भगवान शिव त्रिपुरों का नाश करने के लिए तैयार हो गए। विश्वकर्मा ने भगवान शिव के लिए एक दिव्य रथ का निर्माण किया।

चंद्रमा व सूर्य उसके पहिए बने, इंद्र, वरुण, यम और कुबेर आदि लोकपाल उस रथ के घोड़े बने। हिमालय धनुष बने और शेषनाग उसकी प्रत्यंचा। स्वयं भगवान विष्णु बाण तथा अग्निदेव उसकी नोक बने। उस दिव्य रथ पर सवार होकर जब भगवान शिव त्रिपुरों का नाश करने के लिए चले तो दैत्यों में हा-हाकार मच गया।

दैत्यों व देवताओं में भयंकर युद्ध छिड़ गया। जैसे ही त्रिपुर एक सीध में आए, भगवान शिव ने दिव्य बाण चलाकर उनका नाश कर दिया। त्रिपुरों का नाश होते ही सभी देवता भगवान शिव की जय-जयकार करने लगे। त्रिपुरों का अंत करने के लिए ही भगवान शिव को त्रिपुरारी भी कहते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा का दिन सिख सम्प्रदाय के लोगों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरू नानक देव का जन्म हुआ था। सिख सम्प्रदाय को मानने वाले सुबह स्नान कर गुरुद्वारों में जाकर गुरूवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताये रास्ते पर चलने की सौगंध लेते हैं।

तिलक लगाने के बाद उस पर चावल लगाए जाने का महत्व

पूजा, त्यौहार से लेकर शादी तक सभी कार्यक्रमों में तिलक लगाने के बाद चावल लगाए जाते हैं। हिंदू धर्म में चावल को शुद्धता का प्रतीक माना गया है। चावल को हवन में देवताओं को चढ़ाया जाने वाला शुद्ध अन्न माना जाता है। एक और मान्यता के अनुसार चावल का एक अन्य नाम अक्षत भी है इसका अर्थ कभी क्षय ना होने वाला या जिसका कभी नाश नहीं होता है। तभी तो हम हर खास मौके पर चावल जरूर बनाते हैं। दरअसल ऐसा माना जाता है कि कच्चे चावल व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते है। यही वजह है कि पूजा के दौरान न केवल माथे पर तिलक लगाया जाता है, बल्कि पूजा की विधि संपन्न करने के लिए भी चावलों का इस्तेमाल किया जाता है।

अविस्मरणीय भामा शाह

मेवाड़ की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप अन्तिम प्रयत्न करते हुए निराश हो गये थे। अकबर की विशाल सेना और अपरिमित साधनों का मुकाबला करते-करते छोटे से मेवाड़ प्रदेश के साधन समाप्त हो चुके थे। प्रत्येक लड़ाई में राजपूतों ने चिरस्मरणीय शौर्य और वीरता का परिचय दिया। महाराणा प्रताप ने दो-चार हजार सैनिकों को लेकर बड़ी-बड़ी बादशाही सेनाओं का मुंह मोड़ दिया, पर मुगल सल्तनत के साथ बहुत बड़ी सेना थी। सेना की एक टुकड़ी नष्ट हो जाती तो, दूसरी भेज दी जाती। एक स्थान का रसद-पानी खत्म हो जाता तो दूसरे स्थान से अन्नादि सामग्रियां भेज दी जातीं। पर महाराणा प्रताप अकेले अपने ही बल पर जूझ रहे थे।

अन्त में ऐसा समय आ गया जब उनके पास न तो रुपया-पैसा बचा, न सिपाही और न हथियार। बादशाही सेना को निरन्तर आगे बढ़ते देखकर और पहाड़ों के भीतर रहकर अपने तथा अपने साथियों के लिए सूखी रोटी मिल सकना भी असम्भव समझकर उन्होंने मेवाड़ को त्याग कर सिन्ध की तरफ जाने का विचार किया।

जिस समय महाराणा प्रताप देश त्याग का निश्चय करके और अपने बचे-खुचे साथियों को लेकर अरावली पर्वत को पार करके सिन्ध में जाने को कदम बढ़ाने लगे थे, तभी किसी ने उनको पीछे से पुकारा – "ओ मेवाड़ पति, राजपूती वीरता की शान दिखाने वाले, हिन्दू धर्म के रक्षक, जरा ठहर जाओ।" राणा ने चौंककर पीछे मुड़कर देखा तो उनके राज्य के पुराने जमाने के मंत्री भामाशाह उनकी तरफ दौड़े चले आ रहे थे। भामाशाह किसी प्रकार राणा के देश त्याग का समाचार सुनकर तुरन्त ही उठकर दौड़े चले आये थे।

वे समीप पहुँचते ही आँखों में आँसू भरे हुये भर्राये स्वर में बोले – 'स्वामी। आज कहाँ जा रहे हैं और क्यों इतने व्यथित तथा उदास जान पड़ते हैं?" महाराणा का निराशापूर्ण उत्तर सुनकर भामाशाह कहने लगे – 'नहीं, एक बार आप फिर अपने घोड़े की बाग मेवाड़ को तरफ मोड़िये और नये सिरे से तैयारी करके मातृ-भूमि की उद्धार का प्रयत्न कीजिये। इसमें जो खर्च होगा, वह मुझसे लीजिये। आपके पूर्वजों की दी हुई पर्याप्त सम्पत्ति मेरे पास है, वह सब मैं आपके चरणों में भेंट करता हूँ। वह मातृ-भूमि के उद्धार में लग सके इससे बढ़कर उसका सदुपयोग क्या हो सकता है? इसलिए आप मेरी प्रार्थना स्वीकार करके उस सम्पत्ति से लड़ाई की फिर तैयारी करें। यदि सफल हो जायें तो ठीक है, अन्यथा फिर जहाँ स्वामी, वहीं पर यह सेवक भी चलेगा।" भामाशाह के अपूर्व त्याग और देश-भक्ति को देखकर महाराणा प्रताप का हृदय भर आया और उनके अनुरोध को मानकर वापस लौट आये। कहा जाता है कि भामाशाह के भण्डार में इतनी सम्पत्ति थी कि उससे युद्ध करके मेवाड़ जय कर लिया गया।

ब्रह्माजी के थैले

इस संसार को बनानेवाले ब्रह्माजी ने एक बार एक मनुष्य को अपने पास बुलाकर पूछा – 'तुम क्या चाहते हो?'

मनुष्य ने कहा – 'मैं उन्नति करना चाहता हूँ, सुख-शान्ति चाहता हूँ और चाहता हूँ कि सब लोग मेरी प्रशंसा करें।'

ब्रह्माजी ने मनुष्य के सामने दो थैले धर दिये। वे बोले – 'इन थैलों को ले लो। इनमें से एक थैले में तुम्हारे पड़ोसी की बुराइयाँ भरी हैं। उसे पीठ पर लाद लो। उसे सदा बंद रखना। न तुम देखना न दूसरे को दिखाना। दूसरे थैले में तुम्हारे दोष भरे हैं। उसे सामने लटका लो और बार-बार खोलकर देखा करो।

मनुष्य ने दोनों थैले उठा लिये। लेकिन उससे एक भूल हो गयी। उसने अपनी बुराइयों का थैला पीठ पर लाद लिया और उसका मुँह कसकर बंद कर दिया। अपने पड़ोसी की बुराइयों से भरा थैला उसने सामने लटका लिया। उसका मुँह खोलकर वह उसे देखता रहता है और दूसरों को भी दिखाता रहता है। इससे उसने जो वरदान माँगे थे, वे भी उलटे हो गये। वह अवनति करने लगा। उसे दुःख और अशान्ति मिलने लगी। सब लोग उसे बुरा बताने लगे।

तुम मनुष्य की वह भूल सुधार लो तो तुम्हारी उन्नति होगी। तुम्हें सुख-शान्ति मिलेगी। जगत में तुम्हारी प्रशंसा होगी। **तुम्हें करना यह है कि अपने पड़ोसी और परिचितों के दोष देखना बंद कर दो और अपने दोषों पर सदा दृष्टि रखो।**

गोपाष्टमी पर्व का महत्व

गाय को हिंदू धर्म में बेहद महत्वपूर्ण माना गया है और गाय को माता का दर्जा भी दिया गया है। गाय माता की सेवा करने मात्र से हर मनोकामना पूरी होती है और मृत्यु के बाद गोलोक में स्थान भी मिलता है। साथ ही परिवार में सुख शांति बनी रहती है और जीवन में कोई संकट भी नहीं आता। मान्यता है कि गाय में ३३ कोटि देवी-देवताओं का वास होता है और गाय को आध्यात्मिक और दिव्य गुणों का स्वामी भी माना जाता है। गोपाष्टमी गायों की पूजा को समर्पित और उनके प्रति कृतज्ञता और सम्मान प्रदर्शित करने का त्योहार है। कई कथाओं में वर्णन मिलता है कि किस तरह भगवान कृष्ण ने अपनी बाल अवस्था में गाय माता की सेवा की है। गीता में भगवान कृष्ण ने स्वयं कहा है कि 'गवां मध्ये वसाम्यहम्' अर्थात् मैं गायों के बीच में ही रहता हूँ।

गोपाष्टमी की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान कृष्ण ६ वर्ष के थे, तब उन्होंने माता यशोदा से कहा कि मां मैं अब बड़ा हो गया हूँ इसलिए अब मैं बछड़ों के साथ गाय को भी चराने जाउंगा। तब मैया यशोदा ने कहा कि इसके लिए तुम अपने बाबा से बात करो। बाल गोपाल तुरंत नंद बाबा के पास गए और गाय चराने को कहा। लेकिन नंद बाबा ने मना कर दिया कि तुम अभी काफी छोटे हो, अभी केवल बछड़ों को ही चराओ। लेकिन बाल गोपाल अड़े रहे, तब नंद बाबा ने कहा कि जाओ पंडितजी को बुला लाओ। बाल गोपाल भागे भागे पंडितजी को बुला लाए। पंडितजी ने पंचांग देखा और उंगलियों पर गणना करने लगे। काफी देर तक जब पंडितजी ने कुछ नहीं कहा तब नंद बाबा बोले आखिर हुआ क्या है.. पंडिजी बोले गायों को चराने का मुहूर्त आज ही बन रहा है, इसके बाद पूरे साल तक कोई मुहूर्त नहीं है। पंडितजी के बात सुनकर बाल गोपाल तुरंत गायों को चराने के लिए निकल पड़े।

गुरु नानक देव की शिक्षाएँ

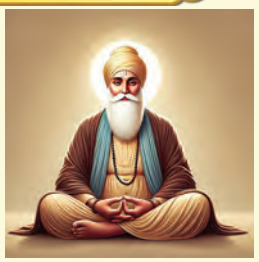

गुरु नानक जयंती गुरु नानक देव जी के जन्मदिन को मनाने का एक धार्मिक त्योहार है, जिसे गुरु पर्व भी कहा जाता है। हर साल कार्तिक मास पूर्णिमा पर गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। गुरु नानक जी ने सिख धर्म की स्थापना की और मानवता, एकता, सेवा और सच्चे प्रेम की बातें सिखाई। इस दिन लोग गुरुद्वारे जाकर पाठ, कीर्तन और सेवा कार्यों में भाग लेते हैं। यह त्योहार सिख धर्म के प्रवर्तक, गुरु नानक देवजी की शिक्षाओं और उनके योगदान को याद करने का एक अवसर प्रदान करता है। गुरु नानक जी ने समाज में सामंजस्य और एकता की बातें सिखाई और मानवता के मूल्यों को भी प्रमोट किया।

गुरु नानक देव जी के तीन मुख्य संदेश थे। पहला अपना काम पूरी मेहनत से करो। गुरु का नाम जपो और जो तुम कमाकर धन अर्जित कर रहे हो उसे लोगों के साथ बांट कर आगे बढ़ते रहो इसलिए गुरु नानक जयंती के दिन जगह-जगह लंगर लगाए जाते हैं और भारी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं।

गुरु नानक देव जी ने अपनी शिक्षाओं को **"नाम जपो, किरत करो और वंड छको"** के मूल मंत्र के माध्यम से व्यक्त किया, जिसे **"मूल मंत्र"** भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है नाम जपें, मेहनत करें और बांट कर खाएं।

एक ओंकार: एक ओंकार का अर्थ है एक ईश्वर, एक सत्य। गुरु नानक जी ने एकता और एकपन की महत्वपूर्णता को बताने की कोशिश की है।

सतनाम: सतनाम का अर्थ है सत्य का नाम। गुरु नानक जी ने सत्य, ईमानदारी और धर्म के मार्ग पर चलने की महत्वपूर्णता को बताया।

करता करीम: गुरु नानक जी ने करता करीम के माध्यम से ईश्वर की कृपा, दया और महर के अद्भुत गुणों की उल्लेखना की है।

वंड छको: वंड छको का अर्थ है साझा करना और दूसरों की मदद करना। गुरु नानक जी ने सामाजिक न्याय, एकता और सहयोग की विशेषता को समझाया।

नाम जपो: गुरु नानक जी ने नाम जपने की सलाह दी, जिससे आत्मा को शांति और आनंद मिलता है।

सरबत दा भला: गुरु नानक जी ने सभी मनुष्यों के हित के लिए काम करने की बात की, ताकि समाज में सभी का भला हो सके।

साच: साच का मतलब है सत्य। गुरु नानक जी ने सत्यता और ईमानदारी को अपने जीवन का मुल्यवान हिस्सा बनाने की सीख दी।

संतोख: गुरु नानक जी ने संतोख, यानि संतुलन की महत्वपूर्णता को बताया।

गुरु नानक जी ने दयालुता और करुणा के महत्व की बात की और दूसरों के प्रति दया रखने की सीख दी।

धर्म: गुरु नानक जी ने सच्चे धर्म की महत्वपूर्णता को बताया, जो आत्मा के पुनर्निर्माण में मदद करता है।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

प्रांतीय पदाधिकारीयों का मंडल–ग का त्रिदिवसीय भ्रमण की झलकियाँ

१५ नवंबर २०२४, को बंदरदेवा में सम्मेलन कार्यालय में बंदरदेवा शाखा एवं बंदरदेवा महिला शाखा की संयुक्त बैठक

गोहपुर, बंरगाबाड़ी, घाईगांव मारवाड़ी समाज के साथ नवीन शाखा की संभावना तलाशने हेतु गोहपुर में श्रीराम मंदिर प्रांगण में सभा

ईटानगर नाहरलगन में नाहरलगन शाखा तथा महिला शाखा की संयुक्त बैठक

१७ नवंबर २०२४, को नार्थ लखिमपुर के वरिष्ठ समाजसेवी तथा महिला छात्रावास के लिए दानदाताओं से रचनात्मक योगदान हेतु प्रेरित करने के लिए सदस्यों से उनके निवास एवं कार्यालय पर भेंट

१६ नवंबर २०२४, को धेमाजी शाखा सचिव श्री विष्णु बंसल के निवास स्थान पर धेमाजी शाखा एवं धेमाजी महिला शाखा की संयुक्त बैठक

सिलापथार में श्री चांदरतन चांडक के निवास स्थान पर सिलापथार शाखा एवं सिलापथार महिला शाखा की संयुक्त बैठक

सिलापथार में मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच के आतिथ्य में 'राष्ट्रीय भक्ति उत्सव' कार्यक्रम में विश्व विख्यात कलाकार, चित्रकार, गायक 'बाबा सत्यनारायण मोर्य' द्वारा "भारत माता की आरती" का कार्यक्रम

नार्थ लखिमपुर के मंच भवन स्थित मंच कार्यालय में नार्थ लखिमपुर शाखा एवं नार्थ लखिमपुर महिला शाखा की संयुक्त बैठक

प्रांतीय समाचार : आंध्रप्रदेश

कंप्यूटर आदि का सहयोग

"आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन" एवं विजयवाडा मारवाड़ी सम्मेलन" के द्वारा दिनांक: २५ अक्टूबर २०२४ को राजस्थान एसोसिएशन के द्वारा संचालित "R.K.S.M. राजस्थानी इंग्लिश मिडीयम स्कूल" में बच्चों की पढ़ाई के लिए "एक कंप्यूटर" एवं "एक प्रिंटर" दिया गया।

इस प्रोग्राम मे "आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन" के अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, महासचिव बालकिशन लोया, कमेटी मेम्बर द्वारका प्रसाद अग्रवाल, "वि.मा.स." के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष रमेश चन्द्र अग्रवाल, "महेश ट्रस्ट के चेयरमैन" सत्यनारायण मालपानी एवं शिक्षा संस्थान के टीचर्स व विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

शिष्टाचार भेंट

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधि मंडल ने प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया के नेतृत्व में लोकसभा अध्यक्ष आदरणीय श्री ओम बिरला जी एवं केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम जी मेघवाल से उनके निवास स्थान पर भेंट कर दीपावली की शुभकामनायें दी एवं समाज विकास के विषयों पर परिचर्चा की एवं मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समाज सुधार एवं समरसता के क्षेत्र में किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों के ज्ञात करवाया। दोनों ने समाज के कार्यो में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

जरुरतमंदों में वस्त्र आदि वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन गिरिडीह के सौजन्य से गंगापुर गांव, वॉटरफॉल गिरिडीह के रास्ते में दीवाली के अवसर पर करीब १७० निर्धन, जरूरतमंद, आदिवासी लोगों (महिला-पुरुष, बड़े-बच्चे) के बीच नए वस्त्र, मिठाई, बिस्कुट एवं पटाखा का वितरण किया गया।

कार्यक्रम को आयोजित करने एवं सफल बनाने में संयोजक मनोज जालान एवं संजय जैन, महामंत्री दिनेश खेतान, सह सचिव प्रदीप डोकानिया (अपने पोते आर्यान्श सहित) और कार्यकारिणी सदस्य नीलकमल भरतीया ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दीपावली की मिठाईयाँ

दीपावली का पर्व हम सभी के लिए सबसे बड़ा पर्व है। इस पर्व पर हम लोग लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं। दीप जलाते हैं और नए-नए कपड़े पहनते हैं। आपस में एक दूसरे से मिलते हैं और मिठाइयां बांटकर खुशी और उल्लास के साथ दीपावली का पर्व मनाते हैं।

शाखाध्यक्ष ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे शाखा संरक्षक श्री ओमप्रकाश जी रिंगसिया, सांवरमल अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल (उमंग होटल), शाखा सह-सचिव निर्मल पटवारी, बजरंग अग्रवाल (रेखा बुटीक), ऋषभ चेतानी और कुशल गनेड़ीवाल सभी कार्यकर्ताओं को, अपने प्रतिष्ठान पर शाखा के लिए निस्वार्थ भाव से दीपावली की मिठाइयों का आर्डर लेने वाले सदस्यों को, समाज के सभी बंधुओं को जो इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दिन रात मेहनत कर रहे हैं सभी का तहे दिल से धन्यवाद किया।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

दीपावली मिलन उत्सव

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन बांकुड़ा शाखा का दीपावली मिलन उत्सव कार्यक्रम ०४ नवंबर २०२४ सोमवार को बहुत शानदार तरीके से संपन्न हुआ।

आईजीपी बांकुड़ा रेंज श्री शीशराम झाझरिया जी ने कार्यक्रम में पहुंचकर अपना वक्तव्य रखा और छात्रों को प्रेरित किया।

माननीय एमपी श्री अरूप चक्रवर्ती जी ने कार्यक्रम में पहुंचकर अपना वक्तव्य रखा।

डॉ. अमिताभ चटराज को नागरिक सम्मान दिया गया। स्वर्गीय श्रीदेवी प्रसाद बाजोरिया एवं स्वर्गीय श्री कैलाशनाथ बाजोरिया को लेजेंडरी अवार्ड दिया गया कार्यक्रम की शुरुआत प्रादेशिक अध्यक्ष श्री नंदकिशोर जी अग्रवाल के भाषण के साथ हुई उनके द्वारा दिए गए वक्तव्य में समाज को एकजुट का संदेश था। समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों को मेरिट लिस्ट वाले जो छात्र हैं उनको प्रोत्साहित करने के लिए उनकी स्कूल फीस में मुख्य प्रादेशिक शाखा द्वारा देने की बात कही गई जिसको उपस्थित सभी लोगों ने भरपूर सराहा।

श्री विष्णु बाजोरिया जी जिन्होंने बांकुड़ा शाखा के गठन में मुख्य भूमिका निभाई थी ने अपने वक्तव्य में समाज में उच्च शिक्षा की तरफ और उसमें भी छात्र-छात्राओं को यूपीएससी की तरफ रुझान करने की तरफ ध्यान आकर्षित करवाया एवं समाज के श्री प्रदीप खेतान द्वारा आंख दान के लिए दिए गए उनके वक्तव्य में प्रेरित होकर के कार्यक्रम के दौरान ही चार व्यक्तियों ने अपनी आंख दान का संकल्प लिया। संस्था अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने इतने कम वक्त में इतने बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम की टीम को हार्दिक धन्यवाद दिया।

इतने कम वक्त में इतना बड़ा कार्यक्रम बहुत कठिन कार्य था पर श्री विक्रम गोयनका, श्री राजीव खंडेलवाल, श्री अंजन सर्राफ, श्री मनोज डालमिया, श्री कमल बाजोरिया, श्री दिनेश डालमिया, श्री मनोज खटोड़, श्री मनोज बाजोरिया, श्री राकेश शर्मा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका के रूप में संस्था की सांस्कृतिक मंत्री वर्षा रावत एवं उनके साथ प्रगति जालान, इशिता धानुका, मंजू शर्मा, निशांत बाजोरिया एवं कार्यक्रम की शानदार ढंग से सफल संचालन करने के लिए श्रीमती संगीता बाजोरिया, शगुन बाजोरिया, रेवा खंडेलवाल एवं ऋषभ बाजोरिया को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इतने कम वक्त में इतने बड़े कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में प्रादेशिक उपाध्यक्ष दिनेश सर्राफ एवं प्रादेशिक संगठन मंत्री उमेश खंडेलवाल भी उपस्थित थे।

दीपावली प्रीति सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान का आयोजन

दुर्गापुर पश्चिम शाखा द्वारा आयोजित दीपावली प्रीति सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम शनिवार, दिनांक: २ नवंबर २०२४ को संध्या समय लक्ष्मी नारायण भवन के प्रांगण में बड़े उल्लास के साथ मनाया गया।

इस कार्यक्रम में १४ प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया।

उनके नाम है : यशवी मित्तल, कपीश डालमिया, रचित खेतान, अविका शर्मा, प्रणद बाजोरिया, पलक अग्रवाल, काव्या गुप्ता, लक्ष्य अग्रवाल, रितेश कुमार अग्रवाल, सिमरन अग्रवाल, शिवम धानुका, निधी गुप्ता, साक्षी चौधरी एवं आयशा अग्रवाल।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

बालासोर शाखा द्वारा बाढ़ पीड़ितों की सहायता

बालासोर, २८ अक्तूबर २०२४ को एक गंभीर चक्रवाती तूफान "दाना" २४ अक्तूबर २०२४ की आधी रात से २५ अक्तूबर २०२४ की सुबह ८ बजे तक आया। २३ अक्तूबर २०२४ की सुबह से २५ अक्तूबर २०२४ की शाम तक बालासोर और उसके आसपास बारिश होती रही। जिसकी वजह से बालासोर के निचले इलाको में बाढ़ आ गई।

सरकार ने निचले क्षेत्र के लोगों को चक्रवात आश्रय में स्थानांतरित कर दिया था और उन्हें खाना खिलाया था। लेकिन और भी कई निचले इलाके थे। हमारे पूर्व विधायक श्री स्वरूप कुमार दास ने हमें निचले क्षेत्र **(बैष्णव साही)** में सूखा भोजन वितरित करने के लिए सूचित किया, जहां ८० से अधिक परिवार रहते हैं। हमने बाजार से सूखा भोजन खरीदा और उस क्षेत्र में (नदी के पास) गए, हमारे सचिव श्री गौरव राठी और बोर्ड के सदस्य श्री राजीव डिडवानिया भी मेरे साथ थे।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

दानशीलता तथा सेवा मनोभाव है मारवाड़ी समाज की पहचान : मुख्यमंत्री

मारवाड़ी समाज अपनी दानशीलता तथा सेवा भाव के लिए सर्वत्र परिचित है। मानव समाज की भलाई तथा राष्ट्र की उन्नति के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं। कोविड के वक्त भी समाज ने पीड़ितों की सेवा करने के लिए जी जान एक कर दिया। शनिवार बलांगीर सुंदपाड़ा स्थित रेनबो रिजेंसी में मारवाड़ी समाज के दीपावली बंधु मिलन कार्यक्रम में उपस्थित होकर ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चारण माझी ने उक्त उद्‌गार प्रस्तुत किए। उन्होंने आगे कहा कि मारवाड़ी समाज के कार्यक्रम में आकर मैं अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। हमारी सरकार बलांगीर जिले की सर्वांगीण उन्नति के लिए संपूर्ण प्रयास करेगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री महाराज कनक वर्धन सिंह देव, बलांगीर सांसद श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव, टिटिलागढ़ विधायक नवीन जैन तथा भाजपा नेता गोपालजी पाणीग्राही मंचासीन थे। मंच संचालन उत्कल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय राजनीतिक चेतना प्रमुख विष्णु प्रसाद केडिया एवं समाज सुधार प्रमुख मोहन अग्रवाल ने किया। स्वागत भाषण सम्मेलन के बलांगीर शाखा अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं धन्यवाद अर्पण महासचिव गजानन अग्रवाल ने किया।

पिछले दिनों राज्य में आए तूफान पीड़ितों की सहायता के लिए मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से मुख्यमंत्री सहायता कोष में १,११,१११/- की धनराशि का चेक मुख्यमंत्री को दिया गया। मीना अग्रवाल एवं साथी ने अत्यंत आकर्षक नृत्य की शैली में गणेश वंदना प्रस्तुत किया। दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित बंधु मिलन कार्यक्रम को मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष मनोज जैन, मारवाड़ी महिला समिति की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती बबीता अग्रवाल, युवा मंच के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, समृद्धि शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, अधिवक्ता नकुल अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, वरिष्ठ उद्योगपति अरुण अग्रवाल, बाबूलाल खेड़िया, समाजसेवी छात्रधारी अग्रवाल, सहयोग फाउंडेशन की महासचिव पिंकी मोदी सहित अन्य अनेक सदस्य उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्तरप्रदेश

संस्कार शाला के बच्चों को दीपावली उपहार

मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर द्वारा नाथू मल साधवानी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर यशोदा नगर में संस्कारशाला के बच्चों को दीपावली के उपलक्ष्य में गणेश लक्ष्मी जी की मूर्ति, पटाखे, मिठाई, दिवाली, गट्टा, बताशे, खील, लाई आदि का वितरण किया गया। त्यौहार का सामान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। मारवाड़ी सम्मेलन का उद्देश्य है कि त्यौहार पर हर घर में दीप जलने के साथ-साथ त्यौहार से संबंधित सामान देकर उनके मनोबल को बढ़ाना रहता है। मारवाड़ी सम्मेलन का वह मिशन हर घर में उजाला हर घर में दिवाली की तर्ज पर बच्चों का उत्साह बर्धन किया गया। उपहार वितरण का मुख्य उद्देश्य हर किसी के जीवन में रोशनी हो। मुख्य अतिथि रजनीश पाठक (संगठन मंत्री विद्या भारती) विशेष अतिथि अयोध्या प्रसाद (प्रदेश निरीक्षक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राम दरबार के आगे दीप प्रज्वलन एवं आरती द्वारा किया गया। बच्चों ने भजन भी सुनाएं।

अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल महामंत्री प्रदीप केडिया कोषाध्यक्ष महेंद्र लड़िया ने सभी बच्चों और समाज के लोगों को धनतेरस एवं दीपावली की बधाई दी। मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा २०० घरों में उजाला होगा यह सराहनीय कार्य है। सभी पदाधिकारी प्रादेशिक कोषाध्यक्ष आदित्य पोद्दार, एस.एन. अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, राजेश महेश्वरी ने इस कार्य में उपस्थित होकर यह संदेश दिया कि घरों के साथ-साथ लोगों के जीवन में भी आशा का दीप जलाना आवश्यक है और यही संस्कारशाला में सिखाया जाता है। महिला अध्यक्ष आशा केडिया, मीडिया प्रभारी विनीता अग्रवाल, रितु लड़िया के साथ ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं गणमान्य सदस्य और पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सम्मेलन मंच सितंबर २०२४

समाज विकास पत्रिका को और अधिक पठनीय एवं और अधिक रोचक बनाने के लिए सुझाव -

१. प्रथम पुरस्कार - श्री अशोक अग्रवाल
सिलीगुड़ी, पश्चिम बंग

२. द्वितीय पुरस्कार - श्रीमती रेणु अग्रवाल
बगढ़, ओडिशा

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

manipalhospitals
LIFE'S ON

करोड़ों भारतीयों का विश्वास, अब आपके अपनों के साथ

मुकुन्दपुर | ढाकुरिया | सॉल्टलेक | ब्रॉडवे

विशेष सुविधाओं के
लिए कृपया स्कैन करें

info@manipalhospitals.com | 1800 102 5555 | www.manipalhospitals.com

प्रांतीय समाचार : तेलंगाना

रामप्रकाश भण्डारी तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष चुने गये

४ अगस्त २०२४ को हैदराबाद में रामकोट स्थित जैन भवन के सभागार में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की साधारण सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुये प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी देते हुये कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के मार्गदर्शन में प्रादेशिक सम्मेलन के सदस्य समाज के प्रति अपने दायित्व निर्वहन का हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं। समय-समय पर मारवाड़ी की सनातन परम्पराओं की महत्ता और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति नयी पीढ़ी को जागरूक करने के लिये जो कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं उनसे युवा वर्ग में समाज के प्रति चेतना जागृत हुई है।

मंत्री ने विगत बैठक का संक्षिप्त कार्य विवरण सदस्यों को सुनाया जिसे पारित किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विधान के अनुसार आगामी सत्र के लिये अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मंच चुनाव अधिकारी जुगलकिशोर वर्मा को सौंपा।

चुनाव अधिकारी जुगलकिशोर वर्मा ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु दिनांक: १५ जुलाई २०२४ को सदस्यों को चुनाव प्रक्रिया के विस्तृत कार्यक्रम की सूचना पत्र द्वारा भेजी गयी। नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथी तक श्री रामप्रकाश भण्डारी का अध्यक्ष पद हेतु श्री रामपाल अट्ल द्वारा प्रस्तावित अजीत कुमार वर्मा द्वारा अनुमोदित केवल एक नामांकन पत्र ही प्राप्त हुआ। जो जाँच में वैध पाया गया। उपस्थित सदस्यों के समक्ष चुनाव अधिकारी जुगलकिशोर वर्मा ने रामप्रकाश भण्डारी को आगामी सत्र के लिये तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का सर्वानुमति से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए रमेश कुमार बंग ने तत्काल प्रभाव से सम्मेलन का कार्यभार सौंपा।

सदस्यों द्वारा जो दायित्व दिया गया उसके प्रति आभार व्यक्त करते हुये नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी ने कहा कि वे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में प्रादेशिक संगठन को प्रदेश के जिला स्तर तक पहुँचाने के लिये सकारात्मक कदम उठायेंगे। उन्होंने सभी के सहयोग की कामना करते हुये विश्वास दिलाया कि सम्मेलन अपने उद्देश्य प्राप्ति के लिये हर सदस्य के समाज कल्याण के सुझावों पर रचनात्मक कदम उठायेगा।

संक्षिप्त परिचय – तेलंगाना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रामप्रकाश भंडारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय शाखा, तेलांगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री रामप्रकाश भंडारी का जन्म १९ जुन १९६४ को तेलांगाना राज्य के हैदराबाद शहर में हुआ। आपने अपनी शिक्षा यही प्राप्त की। शिक्षा पूरी करने के पश्चात आप व्यवसाय से जुड़ गए, आपने भंडारी कैटेरिंग सर्विसेज, नामक कम्पनी के कार्य को आगे बढ़ाया। आपने श्रीमती संतोष भंडारी को अपना जीवनसाथी बनाया। आपकी तीन लड़किया सुश्री दिव्या भंडारी, सुश्री प्रिया भंडारी, सुश्री राधिका भंडारी एवं एक पुत्र श्री इशान भंडारी के साथ हैदराबाद में निवास करते है। आप सम्मेलन के अलावा भी अन्य संस्थाओं से जुड़े है। द आंध्र प्रदेश महेश को–ओप.अर्बन बैंक लि. के निर्देशक, २०१०-२०१५ तक इसके उप सभापति भी रहे। माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद संस्था के सचिव, आंध्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व महामंत्री, माहेश्वरी युवक संघ, हैदराबाद के पूर्व महामंत्री एवं मारवाड़ी हिंदी विद्यालय, हैदराबाद के कार्यकारी सदस्य भी रह चुके है। वर्तमान में आप मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय शाखा तेंलागाना के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे है। आप शुरु से ही समाज से जुड़ कर कार्य करने की इच्छा रखते है और ऐसे किसी भी कार्यों में आपने अपना हर संभव योगदान दिया।

प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र

मारवाड़ी समाज का दीपावली स्नेह मिलन

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन जालना शाखा, मारवाड़ी युवा मंच जालना और महाराष्ट्र मारवाड़ी चैरिटेबल फाउंडेशन ने शनिवार को सर्वधर्म दिवाली स्नेहमिलन और अन्नकूट उत्सव मनाया। इस मौके पर सांसद डॉ. कल्याण काले, उद्यमी पन्नालाल बगड़िया, मनोज महाराज गौड़, सत्यनारायण महाराज व्यास, विधायक कैलाश गोरंट्याल, पूर्व राज्यमंत्री अर्जुन खोतकर, पूर्व नगराध्यक्ष मास्कर आंबेकर, कैलाशचंद्र अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री वीरेंद्र धोका, महाराष्ट्र प्रदेश सभा के महामंत्री सुदेश करवा, उपाध्यक्ष उमेश पंचारिया, मारवाड़ी सम्मेलन के जिला कार्याध्यक्ष गोविंद प्रसाद मुंदड़ा, शिवनाथ राठी, गोपाल घनश्यामदास गोयल, विजय कामड, रामकुंवर अग्रवाल, विप्र फाउंडेशन के रामनिवास गौड़, संजय मुथा, पुरुषोत्तम मोतीवाला, मनीष तवरावाला, पवन जोशी, लक्ष्मीनारायण मानधना, सुनील राठी, रवि अग्रवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पवन जोशी और सुदेश करवा ने किया, आभार शरद काबरा ने माना, हम अवसर पर बड़ी संख्या में सभी धर्मों के समाजजन एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : मध्य प्रदेश

दीपावली खुशियाँ बांटने का महापर्व है

कटनी शाखा मारवाड़ी सम्मेलन का दीपावली मिलन महोत्सव गत दिवस होटल सत्कार पन्ना तिराहा में विविध सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों के बीच धूमपान से मनाया गया। दीपावली मिलन महोत्सव में नगर के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. एस के चांडक के मुख्य आतिथ्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री भगवान दास माहेश्वरी की अध्यक्षता में कार्यक्रम गरिमापूर्ण माहौल में सानंद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्ग के लोगों ने शिरकत की।

इस मौके पर डॉ. चांडक ने कहा कि दीपावली का यह पर्व आपसी सदभाव मिलन का खुशियों का महत्वपूर्ण पर्व है। अब समय आ गया है कि समाज के लिये सहयोग करे एवं सामाजिक गतिविधियों को एकजुटता के साथ निभाये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री भगवान दास माहेश्वरी ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समय-समय पर कार्यक्रम को आयोजित कर समाज में निरंतर सक्रिय है। श्री शरद सरावगी सामाजिक गतिविधियों में हमेशा शानदार भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। दीपावली पर्व एक दूसरों को खुशियां बांटने का पर्व है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कटनी शाखा के अध्यक्ष श्री शरद सरावगी ने कहा कि दीपावली मिलन महोत्सव से हम सभी एकजुट होकर समाजहित में समाज के उत्थान के लिये कार्य करने की भूमिका बनाये। समाज के निचले तबके के लोग प्रतिभावान छात्रों कलाकारों का मनोबल बढ़ाने का कार्य करें। श्री सरावगी ने कहा कि दीपावली में हर घर रोशनी से जगमग रहे यही शुभकामनाएं। राजस्थानी मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष सुनीता रमेश अग्रवाल, अध्यक्ष पवन बजाज, सम्मेलन सचिव अजय सरावगी माहेश्वरी मंडल के विनोद जी माहेश्वरी, संपत गट्टानी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में श्याम माहेश्वरी वेंकट सोमानी सुरेश अग्रवाल नारायण बजाज लाला सिंघानिया सुबोध सिंघानिया श्रीकांत बजाज, डॉ रामगोपाल बजाज महिला मंडल की सभी सदस्य प्रकाश भौमिया की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। अजय सरावगी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

छठ पूजा के उपलक्ष्य में नि:शुल्क भोजन

पटना जाने वाली एक ट्रेन में जनरल कोचेस की भीड़ देखकर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन कटनी शाखा के सदस्यों ने निर्णय लिया कि बिहार जाने वाली ट्रेनों के जनरल कोच में खाने के पैकेट प्रदान करेंगे और दूसरे दिन खाने के पैकेट बनवा कर पांच बिहार जाने वाली ट्रेनों को कटनी स्टेशन पर आठ पूरी सब्जी अचार के लगभग ६०० पैकेट हमारे द्वारा प्रदान किए गए।

कटनी एक प्रमुख स्टेशन है जहां से सूरत मद्रास बेंगलुरु और मुंबई से पटना जाने वाली ट्रेन गुजरती है। इसी कारण ही छठ पूजा में जाने वालों की सर्वाधिक भीड़ ट्रेन में हो रही थी। उपरोक्त जानकारी अखिल भारतवर्ष मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष शरद सरावगी मंत्री अजय सरावगी दी।

कार्यक्रम में सम्मेलन के सभी सदस्यों ने भाग लिया और आर्थिक सहयोग प्रदान किया जिसमें प्रमुख थे राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री कृष्ण शर्मा, नारायण बजाज, विमल सरावगी, संपत गट्टानी, जितेंद्र कनोडिया, सी.ए. आशीष बजाज व अन्य लोग भी शामिल थे।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

पुस्तक वितरण

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत जिला इकाई का दिवाली के शुभ अवसर पर पढ़ने वाले बच्चों को पुस्तक एवं स्टेशनरी वितरण एवं नाश्ते का एक कार्यक्रम दिनांक: २५ अक्टूबर २०२४ को दिन शुक्रवार को प्रात: ९.०० बजे 'दीन सहायक मंदिर स्कूल' पर रखा गया।

इस अवसर पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत इकाई के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल मंत्री हेमंत गर्ग रमेश जी अग्रवाल, आशा जी, महेंद्र जी जैन आदि लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय के बच्चों द्वारा धार्मिक मंत्रोच्चार एवं देश भक्ति की सुंदर डांस प्रस्तुति भी की गई।

उपलब्धियाँ

श्री संजय कुमार जैन की नियुक्ति

टी टी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय कुमार जैन जी को इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की राष्ट्रीय कपड़ा समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से बधाई!

बिहार के ईस्ट चम्पारण जिले के रक्सौल शहर के रहने वाले बिमल कुमार सर्राफ के सुपुत्र अशोक कुमार सर्राफ ने FTI (फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट), में डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकिंग कोर्स में चयन हेतु अरुणाचल प्रदेश से पूरे भारतवर्ष में नौवां स्थान हासिल किया है। सम्मेलन की तरफ से हार्दिक बधाई!

शिवानी अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता

भारतीय केटलबेल एथलीट शिवानी अग्रवाल ने बेल्जियम में १५ नवंबर से १७ नवंबर तक आयोजित आईकेएमएफ विश्व चैंपयनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर इतिहास रच दिया है। शिवानी ने केटलबेल स्पोर्ट के लिए मैराथन प्रारूप में कैंडिडेट ऑफ मास्टर ऑफ स्पोर्ट (सीएमएस) का अत्यधिक सम्मानित खिताब भी हासिल किया, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई।

अपने पहले इवेंट, २१६ किलोग्राम कैटलबेल के साथ डबल पुश प्रेस में, शिवानी ने १० मिनट की सीमा के भीतर ४५ दोहराव पूरे किए, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रैंक हासिल हुई। इसके बाद वह फुल मैराथन (६० मिनट) वन आर्म स्नैच इवेंट में हावी हो गईं, जहां उन्होंने ८६४ दोहराव हासिल किए और अपना स्वर्ण और सीएमएस खिताब हासिल किया। दोनों स्पर्धाओं में अत्यधिक सहनशक्ति की आवश्यकता होती है, क्योंकि एथलीट निर्धारित समय तक बिना रुके वजन उठाते हैं।

अपनी जीत के बाद, शिवानी और उनकी टीम का १८ नवंबर को ब्रुसेल्स में भारतीय दूतावास में बेल्जियम में भारतीय राजदूत महामहिम श्री सौरभ कुमार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मैथन अलॉयज लिमिटेड के सुभाष अग्रवाल शिवानी अग्रवाल के लिए इस विश्व चैम्पियनशिप के गौरवशाली प्रायोजक थे।

विशेष – सुश्री शिवानी अग्रवाल ने मारवाड़ी सम्मेलन के दीवाली प्रीति मिलन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी।

श्री देवी प्रसाद बागड़ोदिया सम्मानित

डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन के तत्वावधान में **"भाषा गौरव सप्ताह"** समारोह के उद्घाटन समारोह में असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री डॉ. बिमल बोरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

"भाषा गौरव सप्ताह" समारोह के उद्घाटन समारोह में असम के प्रख्यात साहित्यकार और भाषा शोधकर्ता डॉ. नागेन सैकिया, पद्म श्री प्रह्लाद चंद्र तासा, देवी प्रसाद बागरोडिया, डॉ. भीमकांत बरुआ और डॉ. कार्बी डेका हजारिका को डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया।

प्री वेडिंग शूट नही करने का आदर्श मिसाल

सम्मेलन के सामाजिक परिवर्तन सुधार के तहत हमारे महालिंग शाखा के अध्यक्ष श्री पवन जी ने अपनी बिटिया के होने वाले विवाह में प्री वेडिंग तथा पूल पार्टी ना करने का अपने समधी के साथ मिलकर निर्णय लिया इसका प्रांतीय सम्मेलन उनकी बहुत-बहुत प्रशंसा करता है, सभी शाखा से आग्रह है कि जो समाज बंधु इस प्रकार का कार्य करता है, उन्हें विवाह स्थल पर सम्मानित करें।

विवाह का समय प्रारंभ हो गया है आप अधिक से अधिक रिश्ता करवाने का प्रयास करे, सामाजिक पंचायत चेयरमैन श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल के प्रयास से सामाजिक पंचायत के तहत कल वैवाहिक विवाह के ११वें मुद्दे का निदान किया गया, आप सब मिलकर सम्मेलन के सदस्यता अभियान का गति प्रदान करें।

पुत्र विवाह पर कायम किया आदर्श मिशाल

२३ नवंबर, २०२४ डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल, सिलीगुड़ी के पुत्र के विवाह उपलक्ष्य पर २१ वनवासी जोड़ों का विवाह का आयोजन सम्पूर्ण सनातन रीति-रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुआ। समाज में विवाह अवसरों पर पनपी कुरितियों के बीच यह आयोजन बड़ा ही अनुकरणीय एवं समाज को दिशा प्रदान करने वाला था।

नंदकिशोर जालान : व्यक्ति नहीं संस्था थे

– ओंकार पारीक

पूर्वोत्तर के साथ स्व. नंद किशोर जालान का संपर्क बना रहा। पहली जनवरी, १९७८ को गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन के अष्टम अधिवेशन में उन्हें देखा। १९८२ में भंवरमल सरावगी की अध्यक्षता में शिलांग अधिवेशन में उन्होंने अध्यक्षीय पद को लेकर हुए विवाद में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। भंवरमल सिंघी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अधिवेशन के दौरान तैयारियों हेतु मैं लगभग ३ महीने शिलांग प्रवास में रहा, जब भी असम अथवा पूर्वोत्तर के किसी भी प्रांत में, कोई सामाजिक संकट आया, जालान ने सदैव अग्रिम भूमिका निभायी।

जालान के साथ पूर्वोत्तर के विभिन्न स्थानों में उनके दौरे में साथ रहने का अवसर मिला। संभवतः यह बात १९८२-८३ की है, जब वह सम्मेलन के राष्ट्रीय पद पर आसीन थे, पूर्वोत्तर के इस दौर में जहां तक याद है बिहार के प्रसिद्ध समाजसेवी रामपाल अग्रवाल नूतन, महिला समिति की राष्ट्रीय पदाधिकारी श्रीमती पुष्पा चोपड़ा, श्रीमती सरोज गुटगुटिया भी शामिल थी। उन दिनों पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक कार्यालय में सचिव पद पर कार्यरत था। सम्मेलनाध्यक्ष भंवरमल सरावगी, महामंत्री दिवंगत डॉ. गिरधारीलाल सराफ के निर्देशानुसार कई दौरों की रूपरेखा बनायी और अग्रिम जाकर, उन तय सुदा स्थानों में तैयारियों का जायजा लिया और बाद में दौरे में उनके साथ रहा। इस दौरान उनके व्यक्तित्व से परिचित हुआ, हालांकि उसके पहले और बाद में भी पत्रचार के माध्यम से उनके विचारों से लाभान्वित होता रहा। लंबी यात्रा के दौरान भी कभी उन्हें थकते हुए नहीं देखा। सम्मेलन के मंच से जब बोलते तो, सारा वातावरण बिल्कुल शांत हो जाता, जालान ओजस्वी वाणी से सामाजिक कुरीतियों और आडंबरों के बारे में समाज को आगाह करते रहते थे। समाज उत्थान और सम्मेलन के प्रति वे पूर्णतया समर्पित थे। उन्होंने अपना सारा जीवन मारवाड़ी सम्मेलन और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में ही व्यतीत किया। वे तन-मन से पूर्ण रूपेण सम्मेलन के हो गये थे और अंतिम समय तक जुड़े रहे। पहली सितंबर, १९२४ को कोलकाता में स्वनामधन्य जोहारमल जालान के घर जन्मे नंदकिशोर छात्रावस्था से ही लेखन और सामाजिक कार्यों के प्रति बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। मेधावी छात्र के रूप में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। मैट्रिक की परीक्षा में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। विद्यासागर कॉलेज में अध्ययन के दौरान पहली बार कॉलेज की पत्रिका के सह संपादक बने। जालान ने कॉलेज के इतिहास में पत्रिका में पहली बार हिंदी को उचित स्थान दिलाया। सन् १९४५ में कोलकाता के उन दिनों के प्रसिद्ध संगठन मारवाड़ी छात्र संघ के वह कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। उल्लेखनीय है कि मारवाड़ी छात्र संघ में असम में मारवाड़ी समाज के प्रथम वकील तथा गुवाहाटी के दिवंगत व स्वनामधन्य केदारमल ब्राह्मण भी कोलकाता अध्ययन के दौरान संघ के छात्र निवास में रह चुके थे। १९५१ में संयुक्त मंत्री के पद पर रहते हुए संघ के एक कार्यक्रम में बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल चक्रवर्ती सी, राजगोपालाचारी ने उन्हें आमंत्रित किया था, इस कार्यक्रम की एक लंबे अर्से तक लोगों में याद बनी रही। बाद में वह संघ के अध्यक्ष पद पर भी निर्वाचित हुए। युवावस्था से ही वह मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़ गये और १९४९ में कोलकाता मारवाड़ी सम्मेलन के मंत्री चुने गये। २६ साल की अल्पायु में वह अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री चुने गये। विदर्भ केशरी एवं प्रख्यात स्वाधीनता सेनानी बृजलाल बियाणी की अध्यक्षता में सन् १९५० में महामंत्री पद पर रहे। तदंतर, १९५४-६१ के दौरान सेठ गोविंद दास, १९७४-७८ तक भंवरलाल सिंघी के अध्यक्षीय नेतृत्व में महामंत्री पद का निर्वाहन किया, १९७९-८१ तक उपसभापति और १९८२ में जमशेदपुर अधिवेशन में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर चुने गये, तदनंतर १९९३ और १९९७ में पुनः अध्यक्ष पद पर काबिज हुए, जो इनकी लोकप्रियता तथा कार्यकुशलता का जीवित उदाहरण है। उनके नेतृत्व में सम्मेलन की स्वर्ण जयंती १९८५ तथा हीरक जयंती १९९५ में मनायी गयी। स्वर्ण जयंती में तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह तथा हीरक जयंती के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे, डॉ. शर्मा का मारवाड़ी समाज के बारे में दिया गया अभिभाषण एक ऐतिहासिक उद्‌गार के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा। यह सब जालान के नेतृत्व का ही कमाल था।

विनम्र निवेदन

हम सभी जानते हैं कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अनेक क्षेत्रों में फैला हुआ है। विगत ८९ वर्षों में इसने अपनी भूमिका प्रभावी तरीके से निभाई है। १९३५ से लेकर अब तक असंख्य कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन में अपने लगन एवं निष्ठा द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिनके अवदानों के बिना सम्मेलन की स्थिति वह नहीं हो सकती थी, जो आज है।

सम्मेलन की ओर से एक प्रयास किया जा रहा है कि विभिन्न प्रांतों में सम्मेलन के जिन भूतपूर्व एवं वर्तमान कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन के विस्तार में समर्पित भाव से उल्लेखनीय भूमिका निभाई है, उनके अवदानों को हम समाज विकास में प्रकाशित करें।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस विषय में हमें आवश्यक जानकारी फोटो सहित प्रेषित करने की कृपा करें।

लाखों का कारोबार छोड़ कर छोटी नौकरियों के पीछे भागते युवा

– प्रो. डॉ. पवन कुमार पोद्दार

नि:सन्देह शिक्षा के क्षेत्र में समाज के युवा उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं लेकिन एक बड़ा तबका विनाश की ओर भी अग्रसर है, जिसके दुष्परिणाम दिखने लगे हैं। लगभग २५ वर्ष पूर्व तक प्रतिभा और मेघा होने पर ही उच्च शिक्षा जैसे इंजीनियरींग, डॉक्टरी, मैनेजमेंट आदि में सफलता प्राप्त होती थी उन्हें अच्छी, प्रभावकारी, सम्मानजनक नौकरी मिल जाती थी। समाज में प्रतिष्ठा भी होती थी।

आजकल शिक्षा माफियाओं के युग में निजी शिक्षण संस्थानों की भरमार हो गयी है। शिक्षा कौशल विकाश के स्थान पर व्यवसाय का केन्द्र बन गया है। प्रतिभा और मेघा नहीं भी है तो पैसा होना चाहिए। इन संस्थानों की अपनी स्वत: की नामांकन प्रक्रिया, साक्षात्कार, परीक्षा, परीक्षा-परिणाम हैं। ५ लाख से २५ लाख – ५० लाख तक शुल्क जमा कर नामांकन करा कर निश्चित तौर पर इंजीनियर, मैनेजमेंट बन सकते हैं। शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की भी ये संस्थान गारंटी देते हैं। नौकरी मिल भी जाती है भले कैसी भी हो।

लेकिन इन संस्थानों के युवाओं में वह मेघा या कौशल वास्तव में होती नहीं है। हम अभिभावक भ्रम जाल में फँसकर युवाओं के जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण ५-७ वर्ष एवं अपनी कमाई अथवा सम्पत्ति का मोटा हिस्सा बर्बाद कर चुके होते हैं। हम जैसी सम्मानजनक नौकरी की आशा करते थे वो नहीं मिल पाती। मुँह छिपाने लाज बचाने १०-१५ हजार महीने की नौकरी भी स्वीकार करनी पड़ती है। पूरी पढ़ाई के दौरान यह बात फैल गयी कि अमुक लड़का इंजीनियर बन रहा है, लेकिन कैसा और कहाँ से? इस बात का ध्यान नहीं दिया गया। पढ़ कर लड़का अब व्यापार करने में संकोच करता है। पढ़ाई पर खर्च हुई राशि के ब्याज बराबर भी नौकरी का पैकेज नहीं होता है। हम अपना व्यवसाय छोड़ कर शिक्षा माफियायों का व्यवसाय बढ़ा रहे हैं।

मेघा युक्त बच्चे अभी भी अच्छे संस्थानों यथा IT, IIM, CLAT, CAT, CA, CS, IAS, IPS कर रहे हैं और समाज की एवं अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं।

अब तो शादी-विवाह के समय भी बायोडाटा में स्पष्ट करना पड़ता है कि उच्च शिक्षण संस्थान कौन सा था। लोग वास्तविकता को समझने लगे हैं।

भारत में निजी क्षेत्र में शिक्षा व्यवसाय का परिदृष्य इस बात से ही स्पष्ट हो जायेगा कि –

प्रबन्धन का पहला संस्थान विश्व में लगभग २०० वर्ष पूर्व १८१९ में फ्रांस में खुला था और भारत का पहला प्रबंधन संस्थान XLRI जमशेदपुर सिर्फ ६५ वर्ष पूर्व जमशेदपुर में, लेकिन आज ७५ वर्षों में भारत में ७००० से अधिक अधिकृत प्रबन्धन संस्थान कुकुरमुत्ते के छत्ते की तरह खुल चुके है जबकि पूरे विश्व में २०० वर्षों में सिर्फ १५००० (भारत के ७००० शामिल है) प्रबन्धन संस्थान ही है। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत मे सालाना लगभग २ लाख मैनेजमेंट छात्रों का सिर्फ १८% ही जॉब के लायक है। आप स्वत: यही की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नीजी व्यवसाय के खेल का अन्दाजा लगा सकते हैं। कमोबेश यही स्थिति इंजीनियरींग संस्थानों की है। इस स्थिति को देखते हुए पिछले एक वर्ष में ही लगभग ४५० प्रबन्धन संस्थान बंद हो गये, नये संस्थानों के खुलने की रफ्तार कम हो गयी। मौजूदा संस्थानों में लगभग ४०% सीटे खाली पड़ी है।

जब शिक्षा के ये माफिया व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाते हुए पुनरावलोकन कर रहे हैं तो फिर हम व्यवसायी समाज क्यों नहीं सोचते हैं?

यहाँ मेरा तात्पर्य शिक्षा का विरोध कदापि नहीं है, बच्चों को अवश्य उच्च से उच्चतर शिक्षा दे लेकिन शिक्षा देते समय निम्न बिन्दुओं पर ध्यान अवश्य दें – शिक्षण संस्थान शिक्षा की लागत, प्राप्त डिग्री, मेघास्तर, कौशल विकाश, सम्भावित नौकरी की स्थिति, पेंकेज घर से दूरी, बच्चे का स्वास्थ्य, खान–पान, चाल–चलन आदि।

शिक्षा ग्रहण करने के बाद महत्वपूर्ण मोड़ आता है निर्णय करने का नौकरी या व्यवसाय। यह निर्णय आपके एवं आपके बच्चे, परिवार की जीवन-दिशा-दशा तय करने वाला होता है।

नौकरी ही एकमात्र विकल्प है तो कोई बात नहीं। अगर विकल्प नौकरी या व्यवसाय है तो जरूर निम्न बिन्दुओं पर विचार कर निर्णय लेना चाहिए।

बच्चे की मन:स्थिति, नौकरी में कार्य-भार, कार्य का प्रकार, घर से दूरी, आवागमन के साधन, अति आवश्यक कार्य अथवा संकट के समय बच्चे की उपलब्धता खान-पान, सहकर्मियों का व्यवहार, बोस का व्यवहार, पैकेज प्रतिष्ठा, बच्चे की शादी-शादी उपरांत देखभाल, स्वास्थ्य, पैतृक व्यवसाय का उत्तराधिकारी। इसके अलावा व्यवसाय की जोखिम परिवार के अन्य सदस्यो की मन:स्थिति, बच्चों का भविष्य पढ़ाई लिखाई स्वास्थ्य सेवा आदि।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री संजय कुमार सुल्तानियाँ
मे. फ्रांटेक प्रा० लि०
इको सेन्टर, यूनिट-८०१,
ईएम-४, सेक्टर-V
कोलकाता-७०० ०९१
मो : ९८३१०५१७५१

श्री शिवनाथ गुलाबचंद राठी
महाराष्ट्र

श्री बालकिशन लोया
मे. बी.बी. लोया कमिशन
एजेंट प्रा० लि०
११-४१-५८,केंदुलवारी स्ट्रीट
विजयवाड़ा-५२०००१,
आंध्र प्रदेश
मो : ९८६६४२१११११

श्री गौरव जालान
मे. एम पॉकेट फिनांसियल
सर्विसेज प्रा० लि०,
पी एस श्रीजन कार्पोरेट पार्क,
बारहवाँ तल्ला, टावर-१,
स्ट्रीट नं.-२५, ब्लाक-४पी,
कोलकाता-७०००९१
मो : ९८३६३८०८०५

श्री बाबूलाल पोद्दार
मे. अंबिका ईंटरप्राईजेज
प्लाट नं.-४ए, इंडस्ट्रीयल
स्टेट, पो.- अमदलवल्सा
श्रीकाकुलम-५३२ १८५,
आंध्र प्रदेश
मो : ९८४९५२२११४

श्री अमित टक
मे. मारुति नंदन स्टोन
एस वाई नं.-२९०/१९८, २९०
१९ए, नर्सिंगुपल्ली विलेज,
श्रीकाकुलम - ५३२४७४,
आंध्र प्रदेश
मो : ९९८३८६८६६६

श्री अनिल नंदकिशोर गोयल
महाराष्ट्र

श्री रंजीत कुमार जालान
मे. रेवती प्रिंट ओपैक
सेक्टर-II, प्लाट नं.-३७,
सिडकल एल आई ई, रानीपुर
हरिद्वार-२४९ ४०३, उत्तराखंड़
मो : ९८९७५८३२५८

श्री संजय कुमार अग्रवाल
मे. शांति इंटरप्राईजेज
क्लब रोड,
बलांगीर-७६७ ००१
ओडिशा,
मो : ९४३७०३३१४५

श्री बिकाश कुमार अग्रवाल
मे. बजरंगबली पेंट्स हाउस
क्लब पाड़ा, बलांगीर-
७६७ ००१, ओडिशा
मो : ९४३७०३३०५०/
७९७८६५५५४७

श्री सुरेन्द्र शांतिलाल पीत्ति
मे. एसआरजे पीत्ति
स्टील प्रा. लि.
जालना,
महाराष्ट्र

श्री रमेश कुमार चौधरी
श्री जीन आसरा
मालगोडाउन,
कटक-७५३ ००३
ओडिशा
मो : ९४३७०१०९११

श्री पवन कुमार जाजोदिया
जाजोदिया भवन
जयबाबू लेन, बखराबाद
कटक-७५३ ००२
ओडिशा
मो : ९९३७०६३०८७

श्री सुशील कुमार सोनी
५७, गणपति नगर, भांगर
भुलढ़ाना रोड,
मलकापुर-४४३ १०१, महाराष्ट्र
मो : ९५९५४९१५२५

श्री आनंद कुमार शर्मा
फोरम प्रवेश, ब्लाक-सी
फ्लैट-३०१, तीसरा तल्ला,
२१२, गिरीश घोष रोड,
हावड़ा - ७११ २०२
मो : ९८३१२९३७५३

श्री दीनदयाल केडिया
ओडिशा
मो : ९४३७०३९५२८

श्री पवन कुमार बंसल
पी-५२, सी आई टी रोड
स्कीम- VI एम (५)
फूल बगान,
कोलकाता-७०००५४
मो : ८७७७०३५९३५

श्री सुरेश कुमार कमानी
श्याम कृपा, प्लाट नं.-४सी,
१२५५, सी डी ए, सेक्टर-१०,
कटक-७५३ ०१४
ओडिशा
मो : ९४३७०१७१५४

श्री अमित कुमार अग्रवाल
फोरम प्रवेश, ब्लाक - एच,
फ्लैट - ९०१, २१२, गिरीश
घोष रोड, हवड़ा - ७१११०२,
प० बं०
मो : ९३३११५६६८१/
९३३९९५६६८१

सम्मेलन के सदस्य बने और बनाएँ

RUPA®
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
सर्दियों में
only
TORRIDO
STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th November, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com